डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 86 | पेज: 8 | जयपुर, बुधवार, 05 मार्च 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

मायावती ने भतीजे आकाश आनंद को बसपा के पदों से हटाया

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमो मायावती ने एक बार फिर भतीजे आकाश आनंद को झटका दिया है। बीते 10 महीनों में यह दूसरा मौका है, जब आनंद को बसपा में अहम पद से हटाया गया है। हालांकि, पार्टी की अंदरूनी राजनीति समेत इसकी कई वजह गिनाई जा रही हैं, लेकिन इस फैसले के साथ ही आनंद के भविष्य के साथ-साथ मायावती के सियासत में फिर ऐक्टिव रोल की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। खास बात है कि मायावती ने कदम ऐसे समय पर उठाया है, जब सालों से बसपा का ग्राफ तेजी से गिर रहा है।

मयावती अब नहीं बनाएंगी उत्तराधिकारी

मायावती ने अपने भतीजे आनंद को रविवार को सभी पदों से मुक्त कर दिया और कहा कि अब उनकी आखिरी सांस तक पार्टी में उनका कोई उत्तराधिकारी नहीं होगा। मायावती ने आकाश के ससुर अशोक सिद्धार्थ को पिछले महीने पार्टी से निष्कासित किये जाने के बाद यह कदम उठाया है।पूर्व मुख्यमंत्री ने राजधानी लखनऊ में हुई बसपा की राष्ट्रीय स्तर की बैठक के बाद यहां जारी एक बयान में कहा कि पार्टी हित में आकाश आनंद को इसकी सभी जिम्मेदारियों से मुक्त कर दिया गया है। बयान में कहा गया है कि इस कार्रवाई के लिए पार्टी नहीं, बल्कि पूर्ण रूप से उनके ससुर अशोक सिद्धार्थ जिम्मेदार हैं। मायावती ने सिद्धार्थ को पार्टी विरोधी गतिविधियों को लेकर पिछले महीने बसपा से निष्कासित कर दिया था। बयान के मुताबिक, मायावती ने कहा, 'अब मैंने यह निर्णय लिया है कि मेरे जीते जी व मेरी आखिरी सांस तक, पार्टी में मेरा कोई उत्तराधिकारी नहीं होगा।'मायावती ने पहले में आकाश आनंद को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया था। लेकिन पिछले साल हुए लोकसभा चुनाव के दौरान एक विवादित बयान देने को लेकर उन्होंने अपने भतीजे से यह ओहदा वापस ले लिया था। हालांकि बाद में, मायावती ने उन्हें फिर से अपना उत्तराधिकारी घोषित कर दिया था।

अंदरूनी दबाव या मजबूत संदेश? मायावती ने आकाश को क्यों हटाया

बसपा चीफ ने साल 2019 में आनंद को पार्टी का राष्ट्रीय समन्वयक बनाया था। वहीं, अपने ही भाई को पार्टी के उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी थी। अब इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा जा रहा है कि ताजा फैसले के जरिए मायावती संदेश देना चाहती हैं कि बसपा का मिशन उनके परिवार से पहले आता है।

इसके अलावा कहा यह भी जा रहा है कि दोनों को पद दिए जाने के बाद मायावती पर वंशवाद फैलाए जाने के आरोप लग रहे थे। रिपोर्ट के अनुसार, पार्टी के अंदरूनी सूत्र बताते हैं कि बसपा के वरिष्ठ नेताओं का एक वर्ग आनंद के बढ़ते कद से खास खुश नहीं था।

एक वजह कांशीराम की विरासत भी

यूपी की नगीना सीट से सांसद चंद्रशेखर आजाद दलित युवाओं में खासे लोकप्रिय हैं। साथ ही वह पार्टी के नाम के साथ ही इस बात पर दावा पेश करते नजर आ रहे हैं कि वह ही कांशीराम की राजनीतिक विरासत के उत्तराधिकारी हैं। अब कहा जा रहा है कि आनंद को पद से हटाए जाने के जरिए मायावती यह दिखाने की कोशिश में भी हैं कि वह कांशीराम की विरासत की असली उत्तराधिकारी हैं।

दलितों का लीडर कौन?

दलित समाज कभी बहन मायावती को दलितों का लीडर और बसपा को दलितों की पार्टी मानता था। मान्यवर काशीराम द्वारा स्थापित बसपा एक समय दलितों की आवाज बन गई थी। दलितों पर पूरे देश में कहीं भी अत्याचार होता था तो देशभर का दलित वर्ग बसपा पार्टी एवं उसके लीडरों की ओर देखता था। अब वही बसपा और तीन बार उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री रही बहन मायावती दलितों में अपना विश्वास और जनाधार तेजी से खोती जा रही है।

लोकसभा चुनाव 2024 में बसपा ने 79 उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतारे थे। जिनको पूरे प्रदेश में मात्र 2.04 प्रतिशत वोट मिले थे। जबकि 2019 में बसपा ने 10 लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज की थी। आजाद पार्टी के अध्यक्ष चंद्रशेखर रावण दूसरी तरफ दलित वर्ग में तेजी से जनाधार और विश्वास बढ़ा रहे हैं। चंद्रशेखर आजाद रावण संसद में भी दलित और पीड़ितों के मुद्दों पर खुलकर बोलते हैं। दलित वर्ग का बसपा सुप्रीमो मायावती से भरोसा समाप्त हो गया है। बसपा का अब बहन मायावती के नेतृत्व में मजबूत होना मुश्किल है। बसपा को दलितों और अन्य में भरोसा कायम रखने के लिए पार्टी का चेहरा बदलना जरूरी हो गया है। अब ऐसे लगने लगा है कि मायावती का नेतृत्व भाजपा को समाप्त कर सकता है। हो सकता है बहन मायावती भी पदाधिकारियों को बदलकर हटाकर यह संकेत दे रही हो कि वह बसपा के कार्यकर्ताओं को दलितों के उत्थान के लिए अब कोई और व्यवस्था करनी चाहिए। क्योंकि बहन मायावती की कोई मजबूरियां, परेशानियां एवं व्यक्तिगत बातें हो सकती है जिसके कारण वह पहले जैसी राजनीति नहीं कर सकती है। वैसे भी बसपा पर भाजपा की बी टीम होने का आरोप लगाया जा रहा है। आकाश आनंद बसपा में उभरता चेहरा है उनको और दूसरों को पार्टी के पदों से हटाना बसपा के लिए अच्छे संकेत नहीं है।

युवाओं को नशे की खाई में धकेलने वाले नशा तस्करों को दंडित करने में मोदी सरकार कोई कसर नहीं छोड़ रही है- अमित शाह

नई दिल्ली । केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा है कि पैसे के लालच में हमारे युवाओं को नशे की अंधेरी खाई में धकेलने वाले नशा तस्करों को दंडित करने में मोदी सरकार कोई कसर नहीं छोड़ रही है।

X प्लेटफॉर्म पर अपनी एक पोस्ट में अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में, सरकार का संकल्प नशामुक्त भारत के निर्माण के लिए ruthless और सावधानीपूर्वक जांच के साथ नशीली दवाओं के खतरे से लड़ना है।

गृह मंत्री ने कहा कि bottom-to-top और top-to-bottom strategy के साथ एक अचूक जांच के परिणामस्वरूप, भारत भर में 12 अलग-अलग मामलों में 29 नशा तस्करों को अदालतों ने दोषी ठहराया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में प्राप्त यह सफलता 'बॉटम टू टॉप' और 'टॉप टू बॉटम' दृष्टिकोण का प्रमाण है। मादक पदार्थों के खिलाफ मोदी सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के अनुसरण में, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (NCB) ने यह महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है।

अहमदाबाद जोन:-

1. 27.07.2019 को, एनसीबी अहमदाबाद जोनल यूनिट ने गुजरात के अहमदाबाद में साबरमती रेलवे स्टेशन से मोहम्मद रिजवान और मो. जिशान के कब्जे से 23.859 किलोग्राम चरस जब्त की।

एनसीबी अहमदाबाद अपराध संख्या 05/2019 के तहत मामला दर्ज किया गया और उपर्युक्तु दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। जांच के दौरान, साहिदुल रहमान नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। जांच पूरी होने के बाद, सिटी सिविल एंड सेशंस कोर्ट अहमदाबाद में विद्वान न्यायाधीश के समक्ष एनडीपीएस अधिनियम के तहत उपर्युक्त तीन व्यक्तियों के नाम शिकायत दर्ज की गई। मामले की सुनवाई पूरी होने के बाद, न्यायालय द्वारा 29.01.2025 को फैसला सुनाया गया और सभी 03 अभियुक्तों को 14 साल के कठोर कारावास और प्रत्येक को 01 लाख रुपये जुर्माने से दंडित किया गया।

भोपाल जोन (मंदसौर):-

2. जुलाई 2022 में, एनसीबी मंदसौर ने मध्य प्रदेश के शहडोल में ध्रुव टोल प्लाजा पर राष्ट्रीय राजमार्ग 43 पर एक हैरियर और एक वेर्ना को रोका और 123.080 किलोग्राम गांजा जब्त किया। इस मामले में शिवम सिंह (जब्त वाहनों के मालिक), संत कुमार यादव, बालमुकुंद मिश्रा और उत्तम सिंह (सभी वाहक) को गिरफ्तार किया गया। यह खेप कोरापुट (ओडिशा) से मंगाई गई थी और उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के लिए रवाना हुई थी। जांच टीम ने प्रतिबंधित पदार्थ प्राप्त करने वाले सुरेश कुमार बिंद नामक व्यउक्ति को भी गिरफ्तार कर लिया। 24.02.2025 को विशेष एनडीपीएस न्यायालय, शहडोल ने चार आरोपियों शिवम सिंह, संत कुमार यादव, बालमुकुंद मिश्रा और उत्तम सिंह को दोषी ठहराया और उन्हें 12 साल के कठोर कारावास तथा 2-2 लाख रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई।

चंडीगढ़ जोन:-

3. एनसीबी चंडीगढ़ के अधिकारियों द्वारा डीएचएल एक्सप्रेस, लुधियाना में 438 ग्राम अफ़ीम से भरी दो हॉकी स्टिक वाले पार्सल को रोका गया। पार्सल आरोपी नसीब सिंह ने बुक किया था, बुकिंग के दौरान गोबिंद सिंह उसके साथ था। एक मामला एनसीबी अपराध संख्या 06/2024 दर्ज किया गया, और जांच के बाद शिकायत दर्ज की गई। विशेष अदालत, लुधियाना ने 31.01.25 को फैसला सुनाया और नसीब सिंह और गोबिंद सिंह (प्रमुख मुंशी पंजाब पुलिस) को एनडीपीएस अधिनियम, 1985 की धारा 18 (सी), 23, 28 और 29 के तहत दोषी ठहराया और उन्हें कनाडा में अफीम ले जाने के प्रयास में उनकी भूमिका के लिए तदनुसार सजा सुनाई। अदालत ने दोनों दोषियों को एनडीपीएस अधिनियम के तहत 3 साल के कठोर कारावास और 10,000 रुपये के जुर्माने (डिफ़ॉल्ट रूप से, एक महीने की अतिरिक्त कैद) की सजा सुनाई।

4. 30.12.2021 को, एनसीबी चंडीगढ़ जोनल यूनिट ने चंडीगढ़ रेलवे स्टेशन पर भीम लामा को 390 ग्राम चरस के साथ मुंबई के लिए पश्चिम एक्सप्रेस में चढ़ने से पहले रोका। आरोपी को औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया और जांच पूरी होने पर मामला विशेष अदालत के समक्ष पेश किया गया। अभियुक्त ने स्वेच्छा से अपना अपराध स्वीकार कर लिया, जिससे उसे दोषी ठहराया गया। 08.01.2025 को, विशेष अदालत, चंडीगढ़ ने भीम लामा को 390 ग्राम चरस रखने के लिए एनडीपीएस अधिनियम, 1985 की धारा 20 के तहत दोषी ठहराया। अदालत ने दोषी द्वारा दिखाए गए पश्चाताप और प्रतिबंधित सामग्री की गैर-व्यावसायिक मात्रा को ध्यान में रखते हुए, एनडीपीएस अधिनियम के तहत 6 महीने के कठोर कारावास और 5,000 रुपये का जुर्माना (जुर्माना भुगतान में चूक के मामले में एक महीने का अतिरिक्त कारावास) की सजा सुनाई।

देहरादून जोन:-

6. 05.01.2018 को, एनसीबी देहरादून ने 450 ग्राम चरस जब्त की, जिससे नमन बंसल की गिरफ्तारी हुई। मामले की जांच में 19.02.2018 को एक और सह-आरोपी, देहरादून निवासी आशुतोष उनियाल की गिरफ्तारी हुई। मुकदमे की कार्यवाही पूरी होने के बाद, एनडीपीएस कोर्ट, देहरादून (यूकेडी) ने 18.01.2025 को आरोपी नमन बंसल को 01 साल की सश्रम कारावास और 20,000/- रुपये के जुर्माने से दंडित किया।

दिल्ली जोन:-

7. 19.03,2021 को, एनसीबी दिल्ली जोनल यूनिट ने सही राम और सत्यवान उर्फ पंडित नाम के दो आरोपी व्यक्तियों के कब्जे से 1.950 किलोग्राम चरस जब्त की और उन्हें जब्त किए गए पदार्थ की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया। गहन जांच के बाद एनडीपीएस कोर्ट, जींद (हरियाणा) में एनडीपीएस केस नंबर 11/2021 के तहत शिकायत दर्ज की गई। अदालत ने 10.01.2025 को दोनों आरोपियों को दोषी करार देते हुए 10 साल की सश्रम कारावास और प्रत्येक को 01 लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई।

ये सजाएँ अदालतों के समक्ष दायर अपने मामलों के सफल अभियोजन को सुनिश्चित करने के लिए एनसीबी के समर्पण का उदाहरण हैं। केंद्रीय गृह मंत्री और समन्वय मंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में एनसीबी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 2047 तक नशा मुक्त भारत के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए लगातार काम कर रहा है। एनसीबी नशीली दवाओं के खिलाफ लड़ाई में लोगों का समर्थन चाहता है। मादक पदार्थों की तस्करी के बारे में जानकारी एनसीबी के मानस हेल्पलाइन नंबर 1933 पर गोपनीय रूप से प्रदान की जा सकती है।

आगामी त्यौहारों को शांतिपूर्ण ढ़ंग से मनाने के लिए कानून व्यवस्था और भाईचारे के लिए सीएस, एसीएस और डीजीपी ने अधिकारियों की बैठक ली

जयपुर, 4 मार्च। राज्य में आगामी त्यौहारों को शांतिपूर्वक ढ़ंग से मनाना सुनिश्चित करने के लिए मंगलवार को मुख्य सचिव सुधांश पंत, एसीएस, होम आनंद कुमार और डीजीपी यू. आर. साहू ने सचिवालय से वीसी के माध्यम से सभी सम्भागीय आयुक्त, पुलिस आयुक्त, रेंज आईजी, कलेक्टर और एसपी की बैठक ली, उनके क्षेत्र में कानून व्यवस्था की वर्तमान स्थिति और इसे और मजबूत बनाने के लिए किए जा रहे उपायों का फीडबैक लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने कहा कि 13 एवं 14 मार्च को होली एवं धूलण्डी, 28 मार्च को जुमातुलविदा, 30 मार्च को चेटीचण्ड एवं हिन्द नववर्ष एवं 31 मार्च को ईदुलफितर का पर्व मनाया जायेगा। 6 अप्रेल को रामनवमी, 10 अप्रेल को महावीर जयन्ती, 11 अप्रेल को ज्योतिबा फूले जयन्ती, 12 अप्रेल को हनुमान जयन्ती, 13 अप्रेल को वैशाखी, 18 अप्रेल को गुड फाईडे और 29 अप्रेल को परशुराम जयन्ती आदि त्यौहार एवं पर्व आयोजित किये जायेंगे।

मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि इन त्यौहारों के दौरान राज्य में साम्प्रदायिक सौहार्द एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए शांति समिति के सदस्यों के साथ बैठकें की जाए। कलक्टर एवं एसपी एक टीम के रूप में अभियान चलाकर जिले में कानून व्यवस्था सुनिश्चित करें। असामाजिक तत्वों की गतिविधियों और सौहार्द बिगाडने की कोशिश करने वालों पर पटवारी, ग्राम सेवक, बीट कांस्टेबल व कम्युनिटी पुलिसिंग के माध्यम से विशेष नजर रखें।

एसीएस आनंद कुमार ने निर्देश दिए कि अधिकारी नियमित गश्त, भ्रमण करें तथा विभिन्न सामाजिक/सामुदायिक समूहों इत्यादि के साथ बैठक आयोजित करें जिससे संभावित अवांछित गतिविधियों की समय पर जानकारी प्राप्त हो सके। होलिका दहन, जुसूस के लिए विवादास्पद जगह और मार्ग की अनुमति न दें, पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी किसी भी दबाव में न आएं। उन स्थानों, जहां त्यौहारों के दौरान अतीत में कोई अप्रिय घटना हुई हो, की सक्रिय निगरानी की जाये।

डीजीपी ने निर्देश दिए कि समय रहते मौहल्ला लेवल तक बैठक कर लें ताकि किसी क्षेत्र विशेष की समस्या का समय रहते समाधान निकाला जा सके।

बैठक में निर्देश दिए गये कि सोशल मीडिया की गतिविधियों पर लगातार नजर रखते हुए भामक तथ्यों, अफवाहों पर तुरन्त प्रिंट/इलेक्ट्रोनिक / सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया दी जावें तथा ऐसी अफवाह फैलाने वालों के विरूद्ध कार्रवाई की जाए। मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों तथा मंदिरों, मस्जिदों, कर्बलाओं और इमामबाड़ों आदि धार्मिक स्थानों से गुजरने वाले जुलूसों के दौरान पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की जाए।

धार्मिक जुलूसों / रैलियों के आयोजकों और डीजे मालिकों को पहले से चेतावनी दी जाए कि वे लाउडस्पीकरों का उपयोग कर उत्तेजक गीत या नारों को न बजायें, जुलूस के लाउडस्पीकरों पर पुलिस का पर्याप्त नियंत्रण होना चाहिए। जुलूसों के पूर्व निर्दिष्ट मार्गों पर छतों की जांच और पर्याप्त सुरक्षा तैनाती की जाये। जुलूस के दौरान बड़ी संख्या में पारंपरिक या अन्य हथियार ले जाने को प्रतिबंधित किया जाए। सभी जुलूसों की सीसीटीवी और ड्रोन से निगरानी की जाये।

इससे पूर्व वरिष्ठ अधिकारियों ने रीट परीक्षा शांति और निष्पक्ष ढंग से सम्पन्न होने पर पुलिस और प्रशासन के सभी अधिकारियों को बधाई दी।

सचिवालय में बैठक के दौरान डीजीपी इंटेलीजेंस, संजय अग्रवाल, एडीजी लॉ एंड ऑर्डर विशाल बंसल, गृह विभाग के संयुक्त शासन सचिव अविचल चतुर्वेदी, विशिष्ट शासन सचिव कन्हैयालाल स्वामी व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

विकास के साथ विरासत का संरक्षण हमारा ध्येय- भजनलाल

-राज्य के धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों के विकास के लिए सरकार संकल्पबद्ध

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारे सांस्कृतिक, धार्मिक और ऐतिहासिक स्थल हमारी प्राचीन विरासत का महत्वपूर्ण अंग है। राज्य सरकार इस गौरवशाली विरासत के संरक्षण और विकास के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। हमारे आस्था स्थलों का संरक्षण कर हम पर्यटन क्षेत्र को भी विकसित कर सकते हैं। इससे बड़ी संख्या में रोजगार का भी सृजन होगा।

शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर प्रदेश के विभिन्न धार्मिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक स्थलों के विकास कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विकास के साथ विरासत का संरक्षण हमारा ध्येय है और इस पर कार्य करते हुए हम आस्था धामों के विकास के लिए कार्य कर रहे हैं। प्रदेश के विभिन्न मंदिरों के जीर्णोद्धार और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्धता से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को राजस्थान की गौरवशाली ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक विरासत से रूबरू कराया जाना आवश्यक है। इसके लिए स्कूली विद्यार्थियों को प्रसिद्ध स्मारकों एवं ऐतिहासिक स्थलों की नियमित यात्राएं करवाई जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संकल्प पत्र में ब्रज चौरासी सर्किट को भक्ति पर्यटन के रूप में विकसित किए जाने की घोषणा की गई थी। इस हेतु ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा मार्ग पर पर्यटन सुविधाओं का विकास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि परिक्रमा मार्ग सहित पूंछरी का लोठा डीग के विकास कार्यों को भी गति दी जाए। उन्होंने गोकुल जाट पेनोरमा, राजा खेमकरण पेनोरमा, देव बाबा पेनोरमा, गोविन्द स्वामी पेनोरमा के निर्माण के लिए सभी प्रक्रियाओं को शीघ्र पूरा कर कार्य शुरू करने के निर्देश दिए।

शर्मा ने अधिकारियों को जैसलमेर स्थित तनोट माता मन्दिर में विकास कार्य करवाने तथा वहां आने वाले श्रद्धालुओं के ठहरने की उचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गिरदुवाला, ग्राम कुलधरा एवं लोंगेवाला की जैसलमेर और तनोट से कनेक्टिविटी बेहतर करने के साथ ही यहां पर्यटकों के लिए सुविधाएं विकसित की जाए।

सांभर लेक क्षेत्र का गुजरात के रण क्षेत्र की तर्ज पर किया जाए विकास-मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने कहा कि जयपुर के पास स्थित सांभर लेक क्षेत्र भी गुजरात के रण क्षेत्र की तरह महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल बन सकता है। यहां होने वाले सांभर फेस्टिवल में बड़ी संख्या में देशी-विदेशी सैलानी हिस्सा लेते हैं। उन्होंने कहा कि यहां पर्यटकों के लिए और अधिक सुविधाएं विकसित कर इसका पर्याप्त प्रचार-प्रसार किया जाए।

राज्य के बाहर स्थित मन्दिरों का होगा जीर्णोद्धार—

शर्मा ने कहा कि पिछले दिनों प्रयागराज में हुई मंत्रिपरिषद् की बैठक में राज्य के बाहर स्थित मन्दिरों के जीर्णोद्धार का निर्णय लिया गया था।

उन्होंने देवस्थान विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसे मंदिरों का सर्वे करवाते हुए इनकी वास्तविक संख्या पता कर इन्हें सूचीबद्ध किया जाए।

बैठक में राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय शिखर अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव सार्वजनिक निर्माण विभाग प्रवीण गुप्ता, शासन सचिव देवस्थान विभाग डॉ. कृष्णा कांत पाठक, शासन सचिव पर्यटन रवि जैन सहित संबंधित विभागों के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

साथ ही, जिला कलक्टर जैसलमेर प्रताप सिंह, जिला कलक्टर भरतपुर डॉ. अमित यादव एवं जिला कलक्टर डीग उत्सव कौशल वीसी के माध्यम से बैठक से जुड़े।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय

इमरान प्रतापगढ़ी मामले में भावना आहत होने का आरोप

अनेक कार्रवाइयां उसे सत्ता पक्ष के दबाव में करनी पड़ती हैं। इसलिए विपक्षी दलों के मामले में अगर अभिव्यक्ति की आजादी के कानून को हाशिये पर धकेल दिया या नजरअंदाज कर दिया जाता है, तो हैरानी की बात नहीं।

सर्वोच्च न्यायालय की यह टिप्पणी निस्संदेह बहुत गंभीर है कि संविधान को लागू हुए पचहत्तर वर्ष हो गए, अब तो कम से कम पुलिस को अभिव्यक्ति की आजादी का अर्थ समझना चाहिए। हालांकि यह टिप्पणी कोई पहली बार नहीं आई है। इससे पहले भी कई मौकों पर वाक् और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर बहसें हो चुकी हैं, अदालतें पुलिस को नसीहत दे चुकी हैं, मगर शायद उस पर संजीदगी से अमल की जरूरत नहीं समझी गई। इसी का नतीजा है कि अब भी जब तब ऐसे मामले अदालतों में पहुंच जाते हैं, जिनसे किसी की भावना के आहत होने का आरोप लगता है, जबकि वास्तव में उनमें ऐसा कुछ नहीं होता।

चाहे वह फिल्मों के दृश्यों-संवादों, किसी राजनेता के बयानों या साहित्य के किसी अंश को लेकर भावनाएं आहत करने या भड़काने के आरोप लगते रहे हों या किसी ऐतिहासिक-मिथकीय प्रसंग को लेकर की गई टिप्पणी पर। कई बार तो कुछ बातों को लेकर आंदोलन तक उभारने की कोशिशें देखी गई हैं। ताजा मामला कांग्रेस नेता इमरान प्रतापगढ़ी की एक कविता को लेकर उठा, जब उन्होंने गुजरात के एक विवाह समारोह में उसे सुनाया और फिर सोशल मीडिया पर उसका अंश डाल दिया। उन पर आरोप लगा कि कविता में लोगों में हिंसा भड़काने का प्रयास किया गया है। वहां की पुलिस ने इस पर मुकदमा भी दर्ज कर लिया।

साहित्य और कलाओं में अभिव्यक्त विचार कई बार प्रतीकों और बिंबों में छिपे होते हैं, इसलिए उनके सही अर्थ खोलने में दिक्कत आ सकती है। प्रतापगढ़ी के मामले में गुजरात पुलिस को भी इसी के चलते धोखा हुआ होगा। सर्वोच्च न्यायालय ने इसे स्पष्ट भी किया कि अनुवाद में गलती की वजह से यह भ्रम हुआ होगा। मगर आजकल जिस तरह चुनिंदा तरीके से किसी के बयानों से भावनाओं के आहत होने के आरोप कुछ अधिक लगने लगे हैं और उनमें से कई मामलों में कानूनी कार्रवाई भी कर दी जाती है, उससे संविधान में वर्णित अभिव्यक्ति की आजादी का संकल्प ही धुंधला पड़ता नजर आने लगता है।

यूक्रेन के अरबों के खजाने पर अमेरिका की नजर: ट्रंप की चाल में कैसे फंसे जेलेंस्की?

राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की यूक्रेन के दुर्लभ खनिजों का सौदा करने को राजी हो गए हैं। वो डील पर साइन करने के लिए शुक्रवार को व्हाइट हाउस जा सकते हैं। डोनाल्ड ट्रम्प पिछले 1 महीने से दबाव बना रहे थे, लेकिन तब जेलेंस्की ने कहा था कि वो अपने देश को नहीं बेचेंगे। यूक्रेन में करीब 11 ट्रिलियन डॉलर के दुर्लभ खनिज मौजूद हैं। ये रकम भारत की कुल इकोनॉमी से भी 3 गुना ज्यादा है।

यूक्रेन में 100 से ज्यादा दुर्लभ खनिजों का भंडार है। इनमें 20 भंडार ऐसे हैं, जिन्हें अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने अमेरिका की इकोनॉमी ग्रोथ और सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी बताया है। यूक्रेन में मौजूद कुछ प्रमुख खनिज...

1. टाइटेनियम: यह चांदी जैसी दिखने वाला मैटेरियल जमीन के अंदर चट्टानों के टुकड़ों के रूप में पाया जाता है। टाइटेनियम लोहे से 50% और स्टील से 56% हल्का होता है, फिर भी दोनों धातुओं से कई गुना ज्यादा मजबूत होता है। टाइटेनियम को पिघलाने के लिए 2 हजार डिग्री सेल्सियस के तापमान की जरूरत होती है। यानी ये ज्यादा गर्मी सह सकता है। इसीलिए इसका इस्तेमाल विमानों से लेकर पावर स्टेशनों तक में होता है। रूस-यूक्रेन जंग की शुरुआत से पहले ग्लोबल टाइटेनियम उत्पादन में 7% हिस्सा यूक्रेन का था।

2. लिथियम: ज्वालामुखी वाली चट्टानों और झरनों में पाया जाने वाला लिथियम हल्के सफेद रंग

का होता है। यह दुनिया की सबसे हल्की धातु है। लिथियम को खुली हवा में नहीं रखा जाता, क्योंकि यह ऑक्सीजन के संपर्क में आने पर फौरन आग पकड़ लेता है। इस वजह से लिथियम को तेल में डुबोकर रखा जाता है। लिथियम को एक चाकू से भी काटा जा सकता है, क्योंकि यह बहुत सॉफ्ट होता है। इसका इस्तेमाल बैटरियों को बनाने में होता है। यूरोप के कुल लिथियम भंडार का 33% हिस्सा यूक्रेन के पास है।

3. यूरेनियम: यह एक रेडियोएक्टिव धातु है, जो चट्टानों और झरनों में पाई जाती है। यूरेनियम को दुनिया की सबसे खतरनाक धातु भी कहते हैं क्योंकि इसका इस्तेमाल परमाणु बम बनाने में होता है। दुनियाभर के कुल यूरेनियम का 2% यूक्रेन में पाया जाता है।

4. रेयर अर्थ मिनरल्स: यह 17 खनिजों का एक ग्रुप है, जो कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स से लेकर मिलिट्री इक्विपमेंट तक में इस्तेमाल होता है। इसमें सेरियम, डिस्प्रोसियम, अर्बियम, यूरोपियम, गैडोलीनियम, होल्मियम, लैंथेनम, ल्यूटेटियम, नियोडिमियम, प्रेसियोडीमियम, प्रोमेथियम, समैरियम, स्कैंडियम, टेरबियम, थ्यूलियम, येटरबियम और इट्रियम शामिल हैं।

इसके अलावा यूक्रेन में ग्रेफाइट का भी बड़ा भंडार मौजूद है, जो इलेक्ट्रिक व्हीकल बनाने में इस्तेमाल होता है।

ट्रम्प ने यूक्रेन के 50% दुर्लभ खनिजों पर कब्जा करने का प्रस्ताव दिया है। इनमें ग्रेफाइट, यूरेनियम, टाइटेनियम, लिथियम समेत कई बेशकीमती और दुर्लभ खनिज शामिल हैं। इनका इस्तेमाल टेस्ला की कारों से स्पेसएक्स के रॉकेट तक, होवित्जर तोप से मोबाइल की चिप तक में होता है।

फ्लिंडर्स यूनिवर्सिटी में इंटरनेशनल रिलेशन्स की सीनियर लेक्चरर जेसिका गेनॉयर ने ABC न्यूज को बताया कि ट्रम्प का ध्यान यूक्रेन के दुर्लभ खनिजों पर बना हुआ है, क्योंकि ट्रम्प इससे अमेरिकी सुरक्षा और उद्योग को बढ़ाना चाहते हैं। ट्रम्प इन खनिजों की मदद से चीन को कड़ी टक्कर देना चाहते हैं।

यूक्रेन के पास रेयर अर्थ मटेरियल के कई अहम भंडार हैं। हालांकि, जंग के बाद इनमें से कई इलाकों पर रूस का कब्जा है , यूक्रेन के लुहांस्क, डोनेट्स्क, जपोरिजिया और खेरसॉन पर इस वक्त रूस का कब्जा है। इन प्रांतों में यूक्रेन के कुल खनिज भंडार का 53% हिस्सा है, जिसकी कीमत 6 ट्रिलियन पाउंड यानी करीब 660 लाख करोड़ रुपए हैं। इस पर पुतिन का सितंबर 2022 से कब्जा है।

25 फरवरी को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिका के साथ दुर्लभ खनिजों की डील करने की इच्छा जताई। पुतिन ने कहा कि रेयर अर्थ मिनरल्स के लिए हम अमेरिका के साथ काम करने को तैयार हैं। रूसी कंपनियां रूस की जमीन से भी नेचुरल रिसोर्स एक्स्ट्रैक्ट कर सकती हैं। उनमें वो जमीन भी शामिल हैं, जो रूस ने यूक्रेन से हथियाई हैं।

दुनियाभर में रेयर अर्थ मिनरल्स की सप्लाई पर चीन का कब्जा है। पिछले कुछ दशकों में चीन दुर्लभ खनिजों के खनन और इसकी प्रोसेसिंग के मामले में सबसे बड़ा देश बन गया है। माइनिंग टेक्नोलॉजी की रिपोर्ट के मुताबिक, चीन दुनिया के 60% से 70% दुर्लभ खनिजों का उत्पादन करता है, जबकि 90% दुर्लभ खनिज चीन में ही प्रोसेस होते हैं।

2023 की यूएस जियोलॉजिकल सर्वे की रिपोर्ट के मुताबिक, 2018 से 2021 में अमेरिका ने चीन से 74% रेयर अर्थ मिनरल्स आयात किए थे। इसके अलावा 53% गैलिलियम और 33% ग्रेफाइट समेत 9 अन्य खनिजों का आयात भी किया था।

ट्रम्प दुर्लभ खनिजों की सप्लाई में अमेरिका का हिस्सा बढ़ाना चाहते हैं। फिलहाल अमेरिका इन खनिजों के लिए चीन पर निर्भर है। अमेरिका को दोबारा महान बनाने की बात करने वाले ट्रम्प के लिए ये चिंता की बात है। इससे अमेरिका का आर्थिक और सैन्य मोर्चे पर दांव कमजोर पड़ सकता है।

3 साल तक अमेरिका ने जंग में यूक्रेन को सपोर्ट किया, लेकिन ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने के बाद अमेरिका ने यूक्रेन से अपना हाथ खींच लिया और हर मदद पर रोक लगा दी।

ट्रम्प ने यूक्रेन को युद्ध के लिए दिया गया पैसा वापस मांगना शुरू किया। ट्रम्प ने कहा कि यूक्रेन को 500 बिलियन डॉलर के दुर्लभ खनिज अमेरिका को देने होंगे, क्योंकि अमेरिकी मदद के बिना यूक्रेन कमजोर पड़ जाएगा। इसके बाद रूस किसी भी दिन उसे अपने में मिला सकता है।

12 फरवरी 2025 को ट्रम्प ने पुतिन से फोन पर करीब 90 मिनट तक बातचीत की। 18 फरवरी को सऊदी अरब में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो, रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने मीटिंग की। 4 घंटे तक चली मीटिंग में सबसे अहम मुद्दा रहा है- रूस-यूक्रेन जंग को रोकना।

मीटिंग में जानबूझकर एक भी यूक्रेनी प्रतिनिधि को शामिल नहीं किया गया। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा, 'कोई भी निर्णय यूक्रेन पर थोपा नहीं जा सकता।'

इसी दिन ट्रम्प ने कहा, 'जेलेंस्की को कभी जंग शुरू नहीं करनी चाहिए थी। वो एक समझौता कर सकते थे।'

19 फरवरी को ट्रम्प ने जेलेंस्की को कॉमेडियन और तानाशाह कहा। जेलेंस्की ने कहा था कि वो अपने देश को नहीं बेचेंगे। फिर खबरें आईं कि इस डील के बदले यूक्रेन ने सुरक्षा की गारंटी मांगी है, लेकिन आखिरकार कोई विकल्प न पाकर जेलेंस्की डील करने को राजी हो गए हैं।

मोटापा
डॉ. मोनिका शर्मा

शारीरिक स्थूलता से जूझती स्त्रियां

मोटापा, शारीरिक बनावट भर बिगाड़ने से कहीं बढ़कर अपने आप में व्याधि बन चुका है। स्वास्थ्य से जुड़ी अनगिनत समस्याओं को न्योता देने वाली ओबेसिटी के घेरे में भी महिलाएं अधिक हैं। असल में स्वास्थ्य सम्बन्धित कुछ अलग पहलुओं के कारण महिलाओं में मोटापे की संभावना पुरुषों की तुलना में थोड़ी अधिक होती है। हार्मोन असंतुलन, गर्भावस्था, घरेलू व्यस्तता में उचित शारीरिक गतिविधियों का अभाव और मानसिक तनाव जैसे कारण आधी आबादी में शारीरिक स्थूलता के आंकड़े बढ़ा रहे हैं। हमारे देश में 10 करोड़ से ज्यादा लोग मोटापे से जूझ रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट मुताबिक वैश्विक स्तर पर हर 8 में से 1 व्यक्ति मोटापे की जद में है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 के अनुसार 24 प्रतिशत भारतीय महिलाओं और 23 प्रतिशत भारतीय पुरुषों का वजन अधिक है। कुछ समय पहले द लैंसेट में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार भारत में महिलाओं में मोटापे की दर 1990 में 1.2 प्रतिशत थी। वर्ष 2022 में महिलाओं में शारीरिक स्थूलता की यह दर 9.8 फीसदी हो गई। वहीं, पुरुषों में मोटापे की दर 1990 में 0.5 प्रतिशत से 2022 में 5.4 फीसदी तक पहुंची है।चिंतनीय यह भी है कि नई पीढ़ी को भी मोटापा अपनी गिरफ्त में ले रहा है। इस अध्ययन के अनुसार 1990 में लड़कियों में 0.1 फीसदी रही मोटापे की दर 2022 तक बढ़कर 3.1 फीसदी हो गई है। मौजूदा दौर के खानपान और रहन-सहन को देखते हुए तकलीफदेह यह है कि कम उम्र में बढ़ते वजन की समस्या भी एक तरह का कुपोषण ही है। बीते दिनों मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने भी गंभीर स्वास्थ्य संकट बनते मोटापे को लेकर कहा था 'मोटापे से निपटना केवल व्यक्तिगत चुनाव नहीं है, बल्कि परिवार के प्रति हमारी जिम्मेदारी भी है।' महिलाएं तो हमारी पारिवारिक व्यवस्था की धुरी हैं।

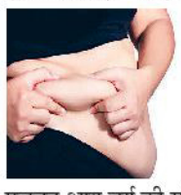

व्याधियों की जड़ मानी जाने वाली स्थूलता से बिगड़ता आधी आबादी का स्वास्थ्य चिंता ही चिंतन का भी विषय है। विचारणीय है कि महिलाओं के शरीर और मनःस्थिति से जुड़े कई कारण मोटापा बढ़ा रहे हैं। ध्यातव्य है कि पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम जैसी परेशानी प्रजनन आयु वर्ग की महिलाओं में हार्मोन असंतुलन से जुड़ा अहम विकार है। लगभग 15 से 45 वर्ष की आयु वर्ग में पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम पीड़ित अधिकांश महिलाओं में मोटापे की समस्या भी होती है। इसी के चलते किशोरियां और युवतियां भी ओबेसिटी की मुसीबत से जूझ रही हैं। इतना ही नहीं, रजोनिवृत्ति के बाद भी उम्रदराज महिलाओं में शारीरिक स्थूलता तेजी से बढ़ती है। चिंतनीय है कि अपनों की सेहत संभालने वाली स्त्रियों में शारीरिक स्थूलता दूसरे रोगों का जोखिम भी बढ़ा रही हैं। मोटापे की शिकार महिलाओं में हृदय रोग, मधुमेह, स्तन कैंसर, हड्डियों से जुड़ी व्याधियां, उच्च रक्तचाप और गर्भधारण में परेशानी होने की संभावना स्वस्थ वजन वाली स्त्रियों की तुलना में अधिक होती है। दरअसल भारत ही नहीं वैश्विक स्तर पर भी स्त्रियों में मोटापे के आंकड़े बढ़ रहे हैं। द लैंसेट में छपे अध्ययन के मुताबिक ब्रिटेन में महिलाओं में मोटापे की दर 1990 में 13.8 प्रतिशत से बढ़कर 2022 में 28.3 फीसदी तक जा पहुंची है। वहीं अमेरिका में आधी आबादी में शारीरिक स्थूलता की दर 1990 में 21.2 फीसदी से बढ़कर 2022 में 43.8 फीसदी हो गई। स्पष्ट है कि संसार के हर हिस्से में ही तकनीकी विस्तार और शारीरिक निष्क्रियता के चलते साल-दर-साल मोटापे के आंकड़े बढ़ ही रहे हैं। असल में आयु और लिंग भेद से परे स्वस्थ-सक्रिय जीवनशैली से ही स्वस्थ वजन पाया जा सकता है। हर साल 4 मार्च को मनाये जाने वाले विश्व मोटापा दिवस पर स्वस्थ-सधी जीवनचर्या अपनाने को लेकर जागरूकता लाने का प्रयास किया जाता है। मोटापे के जोखिमों को कम करने के लिए सजगता लाने की कवायद की जाती है। वर्ष 2025 में विश्व मोटापा दिवस की थीम 'चेंजिंग सिस्टम्स, हेल्दीयर लाइव्स' है। यानि समग्र व्यवस्था के बदलाव से ही स्वस्थ जीवन पाया जा सकता है। मोटापे को केवल व्यक्तिगत परेशानी मानने के बजाय स्वास्थ्य सेवाओं, सार्वजनिक नीतियों, सामाजिक संरचनाओं और भोजनशैली की प्रणालियों में व्यापक बदलाव की दरकार है। बदलावों की इस बुनियाद पर ही स्वस्थ भविष्य पाया सकता है। खान-पान हो या सक्रिय दिनचर्या, सेहत सहेजने वाली आदतों से घर के हर सदस्य को जोड़ने स्त्रियां स्वयं भी अपने वजन को लेकर सजग हों।

(लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार और स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

सुख की चाह के लिए तप की साधना ज़रूरी

संकलित
दर्शन

तप संकल्प की प्राप्ति का एकमात्र उपाय है। जिसे सत्य संकल्प द्वारा सुख की चाह है, उसे तप की साधना अवश्य करनी चाहिए। संकल्प के दृढ़ एवं सत्य न होने का सबसे बड़ा कारण तप की कमी होता है। जो व्यक्ति अपने स्थूल और सूक्ष्म शरीर के द्वारा तप नहीं करता, वह अपने संकल्पों को कभी प्राप्त नहीं कर सकता। तप से हमें अपने मन और तन, दोनों को पक्का बनाना होता है। जैसे मिट्टी का कच्चा घड़ा पानी डालने पर गल जाता है। वह अग्नि में बिना तपे कभी जल नहीं ला सकता। इसी प्रकार जब तक मनुष्य अपने जीवन को तप द्वारा पक्का नहीं बनाता, तब तक वह कभी भी अपने संकल्पों की सिद्धि को धारण नहीं कर सकता। तप से जीवन की समस्त अशुद्धियां दूर होती हैं। अशुद्धियों के दूर होने से शरीर और इंद्रियों को विशेष सिद्धि मिलती। तभी कहा जाता है कि तप से सभी कुछ साध्य है। वेदों में भी तप की महिमा और आवश्यकता का अनेक स्थानों पर वर्णन किया गया है। कल्याण की कामना करने वाले ऋषिगण भी प्रथम तप और दीक्षा का ही अनुष्ठान करते हैं। श्रीमद्भागवत कथा के द्वितीय स्कंध में श्री भगवान ब्रह्मजी से कहते हैं कि 'मैं इस दृश्यमान अखिल प्रपंच को तप द्वारा रचता हूं और पुनः तप द्वारा ही ग्रसित कर लेता हूं। मैं तप द्वारा ही इस विश्व का भरण-पोषण करता हूं और मेरा अत्यंत तेजस्वी पराक्रम तप ही है। तप द्वारा वह तेज और वह शक्ति प्राप्त की जा सकती है, जो किसी भी संकल्प की प्रतिपूर्ति का आधार बनती है।'

जरूरतमंदों की मदद ही सबसे बड़ी सेवा

संकलित
प्रेरणा

एक वैद्य गुरु गोविंद सिंह के दर्शन के लिए आनन्दपुर गया। वहां गुरुजी से मिलने पर उन्होंने कहा कि जाओ और जरूरतमंदों को सेवा करो। वापस आकर वह रोगियों की सेवा में जुट गया। शीघ्र ही वह पूरे शहर में प्रसिद्ध हो गया। एक बार गुरु गोविंद सिंह स्वयं उसके घर पर आए। वह बहुत प्रसन्न हुआ, लेकिन गुरुजी ने कहा कि वे कुछ देर ही ठहरेंगे। तभी एक व्यक्ति भागता हुआ आया और बोला- वैद्य जी, मेरी पत्नी की तबियत बहुत खराब है। जल्दी चलिए अन्यथा बहुत देर हो जाएगी। वैद्य जी असमंजस में पड़ गए। एक ओर गुरु थे, जो पहली बार उनके घर आए थे। दूसरी ओर एक जरूरतमंद रोगी था। अंततः वैद्यजी ने कर्म को प्रधानता दी और इलाज के लिए चले गए। लगभग दो घण्टे के इलाज और देखभाल के बाद रोगी की हालत में सुधार हुआ। तब वे वहाँ से चले, उदास मन से उन्होंने सोचा कि गुरुजी के पास समय नहीं था। अबतक तो वे चले गए होंगे फिरभी वैद्यजी भागते हुए वापस घर पहुँचे। घर पहुँचकर उन्हें घोर आश्चर्य हुआ। गुरुजी बैठे उनकी प्रतीक्षा कर रहे थे। वैद्यजी उनके चरणों पर गिर पड़े। गुरु गोविंद सिंह जी ने उन्हें गले से लगा लिया और कहा- तुम मेरे सच्चे शिष्य हो। सबसे बड़ी सेवा जरूरतमंदों की मदद करना है।

महाशिवरात्रि ...

मंडी में मंगलवार को महाशिवरात्रि उत्सव के उपलक्ष्य में देवता के सेवकों ने नाटी (लोक नृत्य) प्रस्तुत किया।

आज की पाती

शेयर धारकों को नुकसान

आजकल शेयर बाजार में गिरावट की खबरें सुर्खियों में हैं। इससे बहुत से लोगों को आर्थिक नुकसान भी हो रहा है। शेयर बाजार में ऐसी गिरावट काफी वर्षों बाद देखने को मिल रही है। इस गिरावट से बहुत से उन लोगों की उम्मीदें धराशायी हुई जिनका कारोबार ही शेयर बाजार पर निर्धारित है। शेयर कब औंधे मुंह गिरे, कोई पता नहीं, क्योंकि शेयर बाजार कंपनियों पर ही ज्यादा निर्भर होता है और कोई बड़ी कंपनी कब घाटे में चली जाए, यह पता नहीं चलता। दूसरा, शेयर बाजार दुनिया के किसी भी देश में होने वाले युद्ध से प्रभावित होते हैं। हमारे देश में कम लोग ही शेयर बाजार के बारे में जानते हैं, इसलिए यह कहना उचित होगा कि हमारे देश में शेयर बाजार में निवेश करना ही बेहतर विकल्प नहीं है।

– राकेश गुप्ता, महासमुंद

ट्रेंड

स्टॉकर को बधाई

महामहिम क्रिश्चियन स्टॉकर को ऑस्ट्रिया के संघीय चांसलर के रूप में शपथ लेने पर हार्दिक बधाई। भारत-ऑस्ट्रिया संवर्धित भागीदारी आने वाले वर्षों में निरंतर प्रगति करने के लिए तैयार है। मैं आपके साथ मिलकर काम करने के लिए तत्पर हूँ।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

सौतेला रवैया

भारत सभी धर्मों को सम्मान देने वाला धर्मनिरपेक्ष देश है। ऐसे में सरकारों को बिना पक्षपात के सभी धर्मों के मानने वालों के साथ एक जैसा बर्ताव करना चाहिए, किन्तु मुसलमानों के साथ धार्मिक मामलों में भी जो सौतेला रवैया अपनाया जा रहा है।

-मायावती, पूर्व सीएम, उप्र

सूचना का अधिकार कानून

एक तरफ भ्रामक और दुष्प्रचार में भारत पिछले वर्षों से शीर्ष स्थान पर आ रहा है, दूसरी तरफ मोदी सरकार कांग्रेस-संप्रग द्वारा लागू किए गए सूचना का अधिकार कानून को, डेटा संरक्षण कानून लाकर कमजोर करने पर तुली हुई है।

-मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस अध्यक्ष

अनंत अस्तित्व की स्वीकृति

पश्चिमी मन आस्था के विचार को समझ नहीं पाता, यह आस्था को केवल धर्म के रूप में देखता है। हमारे लिए आस्था हमारे कोशिका-सत्ता के मूल से लेकर उस विशाल अनंत अस्तित्व की स्वीकृति की भावना तक फैली हुई है जिसे हम ब्रह्माण्ड कहते हैं।

-शेखर कपूर, फिल्मकार

रॉयल पत्रिका

करंट अफेयर

दक्षिणी गोलार्द्ध का सबसे बड़ा मंदिर होगा बीएपीएस

अबूधाबी के बाद अब जोहानिसबर्ग के सबसे व्यस्त और खूबसूरत लैनसेरिया कॉरिडोर में 37,000 वर्ग मीटर में फैले बीएपीएस मंदिर और सांस्कृतिक परिसर के निर्माण के पहले चरण का काम पूरा हो चुका है और अगले तीन साल में तैयार होने वाला यह दक्षिणी गोलार्द्ध में सबसे बड़ा हिंदू मंदिर होगा। पिछले साल फरवरी में अबूधाबी में मध्य पूर्व के पहले अलंकृत नक्काशीदार हिंदू मंदिर के उद्घाटन के बाद बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) ने दक्षिण अफ्रीका में इस मंदिर पर युद्धस्तर पर काम शुरू किया । पिछले महीने मंदिर के 33,000 वर्ग मीटर में फैले सांस्कृतिक परिसर का उद्घाटन मौजूदा गुरू महंत स्वामी महाराज की मौजूदगी में हुआ और अब दूसरे चरण में 2,500 वर्ग मीटर के परिसर वाले पारंपरिक मंदिर पर काम शुरू होगा । खूबसूरत लैनसेरिया कॉरिडोर में बन रहे इस मंदिर को बहुसांस्कृतिक विनिमय, विभिन्न धर्मों के बीच संवाद और दक्षिण अफ्रीका में बीएपीएस के मानवीय कार्यों का केंद्र बनाया जाएगा।

ऑफ बीट

हर चार व्यक्ति में से एक खून की कमी से प्रभावित

एनीमिया या खून की कमी स्वास्थ्य संबंधी एक अहम समस्या है जिससे दुनिया भर में कम से कम दो अरब लोग प्रभावित हैं। यह दुनिया भर में लोगों में पाई जाने वाली आम समस्याओं मसलन कमर के निचले हिस्से में दर्द, मधुमेह या बेचैनी और अवसाद आदि से भी आम है। इसके बावजूद पिछले कुछ दशकों में एनीमिया को कम करने की दिशा में किए गए वैश्विक निवेश भी इसे दूर करने में सफल नहीं हो पाए हैं। किसी व्यक्ति में एनीमिया तब होता है जब उसके रक्त में पूरे शरीर में ऑक्सीजन ले जाने के लिए पर्याप्त स्वस्थ लाल रक्त कणिकाओं की कमी हो जाती है। शरीर के अंगों में कम ऑक्सीजन पहुंचने से एनीमिया के कई आम लक्षण दिखाई देने लगते हैं जिनमें थकान होना, सांस ठीक से नहीं ले पाना, चक्कर आना, ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई और रोजमर्रा के काम करने में मुश्किलें आना शामिल हैं। स्वास्थ्य पर पड़ने वाले इन प्रभावों के अलावा एनीमिया के कारण बच्चों के मस्तिष्क के विकास पर भी असर पड़ सकता है। खून की कमी की वजह से वयस्कों में स्ट्रोक आने, हृदय से जुड़े रोग, मनोभ्रंश और अन्य बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। गर्भावस्था के दौरान एनीमिया होने से महिला में चिंता और अवसाद की समस्या हो सकती है।

आरबीएम चिकित्सालय का विस्तार कार्य जून माह तक होगा पूरा - चिकित्सा शिक्षा मंत्री

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। चिकित्सा शिक्षा मंत्री गजेन्द्र सिंह ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि आरबीएम चिकित्सालय भरतपुर के विस्तार का कार्य इस वर्ष जून माह तक पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने आश्वस्त किया कि निर्माण कार्य पूरा होने के बाद यहां रिक्त पदों को भरा जाएगा तथा सुपर स्पेशलिटी सुविधाओं को भी शुरू किया जाएगा। साथ ही निर्माण कार्य में देरी के लिए संवेदक पर नियमानुसार पेनल्टी लगाई जाएगी। चिकित्सा शिक्षा मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि आरबीएम चिकित्सालय के विस्तार कार्यों के लिए 154.62 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति जारी की गई थी। इसके विरुद्ध अब तक 123.20 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि संवेदक द्वारा का निर्माण कार्य 17 दिसम्बर 2021 को शुरू कर माह जून 2023 तक पूरा किया जाना था। लेकिन संवेदक द्वारा 27 दिसम्बर 2021 को शुरू किया गया तथा निर्धारित समय सीमा में पूरा नहीं किया गया। अब संवेदक द्वारा 30 जून 2025 तक कार्य पूरा करने के लिए कहा गया है। चिकित्सा शिक्षा मंत्री ने बताया कि कार्य में देरी के लिए 28 फरवरी 2025 को संवेदक पर 30 लाख रुपये की पेनल्टी आरोपित की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि समिति का गठन कर आगे और भी पेनल्टी लगाने के संबंध में निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि आरबीएम अस्पताल में मरीजों की अधिक संख्या को देखते हुए इसका विस्तार कार्य किया जा रहा है। वर्तमान में यहां 11 सुपर स्पेशलिटी सुविधाएं स्वीकृत हैं, लेकिन केवल 3 यूरोलॉजी, न्यूरोलॉजी तथा कार्डियोलॉजी ही संचालित हैं। नेफ्रोलॉजी की सुविधा उपलब्ध नहीं है। पूर्ववर्ती सरकार द्वारा यहां 6 और सुपर स्पेशलिटी सुविधाएं एन्डोक्रिनोलॉजी, गेस्ट्रो, गेस्ट्रो सर्जरी, मेडिकल ऑंकोलॉजी, ऑंकोलॉजी सर्जरी तथा प्लास्टिक सर्जरी शुरू करने की घोषणा तो की गई, लेकिन इस दिशा में आगे कोई कार्यवाही नहीं की गई। उन्होंने आश्वस्त किया कि निर्माण कार्य पूरा होने के बाद यहां सुपर स्पेशलिटी सुविधाओं को शुरू किया जा सकेगा। इससे पहले विधायक सुभाष गर्ग के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में चिकित्सा शिक्षा मंत्री ने कहा कि भरतपुर के आर.बी.एम चिकित्सालय के द्वितीय फेज का निर्माण कार्य 30 जून, 2025 तक पूर्ण किया जाना प्रस्तावित है। उन्होंने कहा कि संवेदक के साथ कार्यकारी एजेंसी द्वारा अनुबन्ध के अनुसार कार्य समय पर पूर्ण नहीं किये जाने पर संवेदक के विरूद्ध शास्ति आरोपित कर शेष राशि का भुगतान किये जाने का प्रावधान है। संवेदक पर निर्माण कार्य समय पर पूर्ण नहीं किये जाने के कारण कार्यकारी एजेंसी के परियोजना निदेशक आर.एस.आर.डी.सी. नि. इकाई भरतपुर द्वारा राशि रूपये 30.00 लाख की अंतरिम शास्ति आरोपित की गई है।

पर्यटकों को सभी आवश्यक सुविधाएं मुहैया कराने के लिए जल्द ही मोबाइल एप लांच किया जाएगा - पर्यटन मंत्री

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। पर्यटन मंत्री दीया कुमारी ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि राज्य सरकार द्वारा पर्यटकों को सभी आवश्यक सुविधाएं मुहैया कराने के लिए जल्द ही एक मोबाइल एप लांच किया जाएगा। जिसमें पर्यटकों को नजदीकी पुलिस स्टेशन,अस्पताल, पर्यटन स्थान, यातायात साधन एवं अन्य आवश्यक जानकारी उपलब्ध हो सकेगी। उन्होंने कहा कि पर्यटकों की सुविधा एवं उन्हें आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के लिए जंतर -मंतर, जलमहल, आमेर, हवामहल एवं अल्बर्ट हॉल पर पर्यटक सहायता बल बूथ स्थापित है। पर्यटक सहायता बल (टीएएफ) द्वारा समय- समय पर कार्यवाही कर पर्यटकों को उचित सहायता प्रदान की जाती है। उन्होंने जानकारी दी कि टीएएफ द्वारा वर्ष 2022 में 236, 2023 में 311 एवं 2024 में 541 शिकायतों पर कार्यवाही की गई तथा गत वर्ष जयपुर में 170 लपकों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। पर्यटकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़े, इसके लिए राज्य सरकार द्वारा दिसम्बर 2024 में पर्यटक सहायता बल के कर्मचारियों की संख्या 139 से बढाकर 250 कर दी गई है। पर्यटन मंत्री प्रश्नकाल के दौरान इस संबंध में सदस्य द्वारा पूछे गये पूरक प्रश्नों का जवाब दे रही थीं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के पर्यटन स्थलों का विकास एवं संरक्षण करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। इसी दिशा में राज्य सरकर द्वारा वर्ष 2024-25 में जयपुर के चारदीवारी शहर के विकास के लिए 100 करोड़ का बजट आवंटित किया गया। उन्होंने बताया कि चौड़ा रास्ता में स्थित जीर्ण शीर्ण भवन का जीर्णोद्धार करवाकर 2015 में जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा 5.5 करोड़ की लागत से बहुमंजिला भवन बनाया गया था। जिसके भूतल में पर्यटक सुविधा केंद्र बनाये जाने का निर्णय लिया गया था। जिसके तहत पर्यटक स्वागत एवं प्रतीक्षा कक्ष, एटीएम, फॉरेन करेंसी एक्सचेंज, साइबर कैफ़े, टूरिस्ट ब्यूरो ऑफिस एवं जन सुविधाओं का प्रावधान था। उन्होंने बताया कि इसके प्रयोग पर निरंतर विचार विमर्श चल रहा है एवं शीघ्र ही इस केंद्र को चालू करने का निर्णय लिया जाएगा। इससे पहले विधायक बालमुकुंदाचार्य के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में पर्यटन मंत्री ने बताया कि विभाग द्वारा पर्यटन भवन स्थित पर्यटक स्वागत केन्द्र , जयपुर एवं हवामहल विधानसभा क्षेत्र में जंतर -मंतर एवं जलमहल की पाल पर स्थित पर्यटक सहायता बल बूथों के माध्यम से पर्यटकों की सुविधा हेतु आवश्यक सूचनाएं एवं सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने बताया कि विधानसभा क्षेत्र हवामहल में पृथक से पर्यटक सहायता तथा सुविधा केन्द्र निर्माण संबंधी कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

बजट घोषणा के तहत राशन डीलरों के कमीशन में 10 प्रतिशत की वृद्धि - खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की सबका साथ-सबका विकास की मंशा को साकार करने की दिशा में इस वर्ष के बजट में राशन डीलरों के कमीशन में 10 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। राज्य सरकार द्वारा राशन डीलरों को पूर्व में मिलने वाले 137 रूपये प्रति क्विंटल के स्थान पर अब 150.70 रूपये प्रति क्विंटल की दर से कमीशन दिया जाएगा। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रश्नकाल के दौरान इस संबंध में सदस्य द्वारा पूछे गये पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को विधानसभा क्षेत्र आसींद में 7 नयी उचित मूल्य की दुकानें खोलने के प्रस्ताव प्राप्त हुए है। इनके अतिरिक्त अन्य स्थान पर उचित मूल्य की दुकान खोलने का प्रस्ताव प्राप्त होने पर परीक्षण करवाकर आवश्यकता एवं मांग के आधार पर उचित निर्णय लिया जाएगा। इससे पहले विधायक जब्बर सिंह सांखला के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति ने बताया कि वर्तमान में उचित मूल्य दुकानदारों को मानदेय दिये जाने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नही है। उन्होंने बताया कि उचित मूल्य दुकानदार को आंवटित मात्रा के विरूद्ध उसके द्वारा वितरित मात्रा के आधार पर कमीशन का भुगतान किया जाता है। श्री गोदारा ने जानकारी दी कि 7 अप्रैल, 2010 एवं 26 दिसंबर, 2019 के विभागीय निर्देश द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के अन्तर्गत चयनित 500 राशन कार्डो अथवा 2 हजार यूनिट पर नवीन उचित मूल्य दुकान खोले जाने के मापदण्ड निर्धारित है। यह एक सतत् प्रक्रिया है।

मुस्लिम समाज की शादियों में गैर शरई रस्मों पर रोक, सवाई माधोपुर में शहर काजी का ऐलान

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। सवाई माधोपुर में 28 फरवरी 2025 को एक ऐतिहासिक निर्णय लिया गया, जिसका समाज पर सकारात्मक प्रभाव पड़ने की उम्मीद है। यह निर्णय मुस्लिम समाज की शादियों में होने वाली गैर शरई रस्मों और फिजूल खर्ची पर रोक लगाने के लिए लिया गया है। इस निर्णय से नई पीढ़ी को एक बेहतर और सादा जीवन जीने का अवसर मिलेगा

शहर काज़ी, मोहम्मद निसार उल्लाह की अध्यक्षता में सवाई माधोपुर में आयोजित एक अहम बैठक में शहर के उलेमा और मस्जिदों के इमामों की मौजूदगी में शादियों में होने वाली गैर शरई रस्मों और फिजूल खर्ची पर चर्चा की गई। इस बैठक में यह निर्णय लिया गया कि अब शादियों में होने वाली हल्दी की रस्म, सेहरे की रस्म, ज़हेज़, डीजे, नाच गाना, दुल्हन को ब्यूटी पार्लर के लिए बाजार ले जाना, मैरिज गार्डन में ढोल नगाड़े और आतिशबाजी जैसी गैर शरई रस्मों पर पूरी तरह से रोक लगाई जाएगी। बैठक में यह भी तय किया गया कि अब शादियों में निकाह को केवल मस्जिद में ही शरई तरीके से पूरा किया जाएगा और शादी के दौरान फिजूल खर्ची से बचा जाएगा। यदि किसी शादी में डीजे, बैंडबाजा, नाच गाना और आतिशबाजी जैसी चीज़ें शामिल की जाएंगी, तो उस शादी में निकाह की तकमील को रोक दिया जाएगा।

काज़ी मोहम्मद निसार उल्लाह और काज़ी मोहम्मद इरफान उल्लाह ने समाज के लोगों से अपील की है कि वे इस फैसले को लागू करने में शरई जिम्मेदारी के तहत सहयोग करें। उन्होंने कहा कि हर परिवार और बिरादरी को इस बदलाव के लिए पहल करनी चाहिए और जहां जरूरत हो, वहां उलेमाओं से मार्गदर्शन प्राप्त करें ताकि समाज में सुधार हो सके और आने वाली पीढ़ी को एक बेहतर जीवन मिले। यह निर्णय मुस्लिम समाज के लिए एक सकारात्मक बदलाव साबित हो सकता है, क्योंकि इससे शादियों में होने वाली फिजूल खर्ची पर नियंत्रण लगेगा और समाज में बेहतर संस्कारों की नींव रखी जाएगी। काज़ी साहब ने सभी से इस फैसले का समर्थन करने की अपील की है ताकि समाज में इस्लाह हो सके और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक बेहतर और सादा जीवन सुनिश्चित किया जा सके।

केन्द्रीय कारागृह जयपुर के स्थानांतरण के लिए भूमि चिन्हिकरण की कार्यवाही प्रक्रियाधीन - गृह राज्य मंत्री

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि केन्द्री य कारागृह जयपुर को घनी आबादी क्षेत्र से स्थाजनान्तररित किये जाने के संबंध में भूमि चिन्हिकरण की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। विभाग द्वारा भूमि चिन्हिकरण के लिए जिला कलेक्टर को पत्र लिखा गया है। उन्होंने सदन को आश्वस्त किया कि भूमि चिन्हीकरण के बाद केन्द्रीकय कारागृह जयपुर को स्थानान्तनरित करने की कार्यवाही की जाएगी।

गृह राज्य मंत्री प्रश्नकाल के दौरान विधायक कालीचरण सराफ द्वारा इस सम्बन्ध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने बताया कि केन्द्रीकय कारागृह जयपुर की बंदी क्षमता एक हजार 173 हैं एवं एक हजार 751 निरुद्ध बंदियों की संख्या हैं। बंदी संख्या अधिक होने पर बंदियों को दुसरे कारागृहों में भेजा जाता है।बेढम ने कहा कि इस नवीन कारागृह निर्माण के लिए एक लाख 30 हजार वर्गमीटर भूमि की आवश्यकता है। इसके लिए विभाग द्वारा सम्बंधित हितधारकों से समन्वय करते हुए कार्यवाही की जा रही है।

आहोर में भवरानी से रोजियों की ढाणी तक सड़क निर्माण के लिए परीक्षण कर निर्णय लिया जाएगा - सार्वजनिक निर्माण मंत्री

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। सार्वजनिक निर्माण मंत्री दिया कुमारी ने मंगलवार को विधानसभा में आश्वस्त किया कि आहोर विधानसभा क्षेत्र में भवरानी से रोजियों की ढाणी तक सड़क निर्माण के लिए परीक्षण उपरान्त उचित निर्णय लिया जाएगा। सार्वजनिक निर्माण मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रही थीं। इससे पहले विधायक छगन सिंह राजपुरोहित के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में सार्वजनिक निर्माण मंत्री ने कहा कि बजट घोषणा वर्ष 2024-25 में हरजी-पचानवा नदी पर पुल, पादरली-तखतगढ़ पुल, कवराड़ा नदी पर पुल के लिए राशि रुपये 19.00 करोड़ की घोषणा 10 जुलाई 2024 को की गई। उन्होंने बताया कि उक्त कार्य की कन्सलटेन्ट द्वारा डीपीआर राशि 34.65 करोड़ रुपये प्रस्तुत की गई है। जिसकी संशोधित राशि. 34.65 करोड़ रुपये की सैद्धान्तिक सहमति 10 फरवरी 2025 को जारी की जाकर निविदा प्रक्रियाधीन है। उन्होंने कहा कि निविदा कार्य पूर्ण होने के पश्चात कार्य को 15 माह में पूर्ण किया जाना संभावित है। सार्वजनिक निर्माण मंत्री ने कहा कि उक्त कार्यों के लिए राशि 34.65 करोड़ रुपये की संशोधित सैद्धांतिक सहमति 10 फरवरी 2025 को जारी कर दी गई।

देवस्थान विभाग के अधीन मंदिरों के विकास एवं जीर्णोद्धार के लिए 161 करोड़ रुपये की बजट घोषणा - देवस्थान मंत्री

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि देवस्थान विभाग के अधीन मंदिरों के विकास एवं जीर्णोद्धार के लिए इस वर्ष के बजट में 161 करोड़ रुपये की घोषणा की गई है। उन्होंने आश्वस्त किया कि जहाजपुर विधानसभा क्षेत्र में देवस्थान विभाग के प्रबंधित एवं नियंत्रित बलदेव जी महाराज मंदिर, बृजनंदन मंदिर एवं शक्करगढ़ मंदिरों में जीर्णोद्धार एवं विकास के लिए कार्य करवाए जाएंगे। देवस्थान मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने बताया कि देवस्थान विभाग के अधीन कुल 593 मंदिर हैं, इनमें से 552 राज्य में हैं तथा 41 मंदिर अन्य राज्यों में अवस्थित हैं। उन्होंने बताया देवस्थान विभाग की व्यवस्थाओं के सुचारू क्रियान्वयन के लिए कि पूरे प्रदेश में 12 अतिरिक्त आयुक्त विभिन्न स्थानों पर कार्यरत हैं।

इससे पहले विधायक गोपी चन्द मीणा के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में देवस्थान मंत्री ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र जहाजपुर में देवस्थान विभाग के प्रबंधित एवं नियंत्रित 5 राजकीय आत्मनिर्भर श्रेणी के मंदिर हैं।

उन्होंने मंदिरों की सूची, विगत 5 वर्षों में उक्त मंदिरों का आय-व्यय का विवरण तथा मंदिरों के विकास हेतु व्यय का विवरण सदन के पटल पर रखा।

जिला स्तर पर महिला थाना खोलने का प्रावधान - गृह राज्य मंत्री

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि वर्तमान में जिला चित्तौ डगढ के उपखण्ड निम्बारहेडा में महिला पुलिस थाना खोलने का प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

गृह राज्य मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने बताया कि महिला पुलिस थाना जिला स्तनर पर खोला जाता है।

इससे पहले विधायक श्रीचन्द कृपलानी के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में गृह राज्य मंत्री ने कहा कि जिला चित्तौ्डगढ़ में महिला पुलिस थाना सृजित किये जाने की स्वीवकृति 05 जून 1999 को जारी की गई। जारी स्वीपकृति के क्रम में महिला पुलिस थाना 11 अक्टूबर 1999 से संचालित किया गया।

मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा, जिला कलक्टर व पुलिस अधीक्षक लगातार कर रहे थे मॉनिटरिंग

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। चनक्या देह बनास नदी में शुक्रवार की सांय को डूबे व्यक्ति को जिला बचाव राहत दल की सिविल डिफेन्स टीम, एसडीआरएफ एवं एनडीआरएफ का संयुक्त सर्च अभियान चलाकर मंगलवार को उसका शव बरामद कर लिया है। जिला कलक्टर शुभम चौधरी के नेतृत्व में कमाण्डेन्ट राजेन्द्र सिंह सिसोदिया के निर्देशानुसार आपदा राहत एवं बचाव हेतु एसडीआरएफ बी कम्पनी कोटा की कम्पनी मुख्यालय पर तैनात रेस्क्यू टीम के प्रभारी हैडकानि0 रामकुमार ने 11 जवानों की टीम तथा आपदा राहत उपकरणों के साथ ग्राम दोबडा खुर्द के समीप बनास नदी में स्नान करने के दौरान पैर फिसलने से चनक्या देह में डूबे व्यक्ति को तलाशने हेतु रेस्क्यू टीम के जवानों हरवीर सिंह, नवल सिंह, हरिओम, मनीश, गोविन्द, मुकेश कुमार, सुमेर सिंह, विनोद, धर्मवीर तथा धर्मवीर सिंह ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया। इस दौरान बी कम्पनी कोटा एवं सी कम्पनी भरतपुर की रेस्क्यू टीमों ने मोटर बोट को तेज गति से चलाकर बनास नदी के पानी को हिलाया। उसके बाद बांस, बिलाई तथा रेस्क्यू रोप की सहायता से गहन सर्च किया। परन्तु कोई सफलता नहीं मिली। इसके उपरांत कोटा से एनडीआरएफ की 21 सदस्यीय रेस्क्यू टीम इंस्पेक्टर बाबूलाल यादव के नेतृत्व में घटनास्थल पर पहुंचकर डीप डाइवर विनोद कानि0, धर्मवीर कानि0 एवं विनोद कानि0 ने स्कूबा सेट की सहायता से नदी की गहराई में जाकर गहन सर्च किया। एनडीआरएफ एवं एसडीआरएफ की रेस्क्यू टीमों के द्वारा दिनभर गहन सर्च ऑपरेशन चलाकर मोटर बोट, बांस, बिलाई एवं रेस्क्यू रोप की सहायता से गहन सर्च किया।

अथक परिश्रम तथा कडी मेहनत से प्रातः 1145 बजे रेस्क्यू टीमों को सफलता मिली। टीम ने बनास नदी में डूबे व्यक्ति ठण्डीराम पुत्र रामफूल मीणा उम्र 45 वर्ष निवासी ग्राम दोबडा खुर्द पुलिस थाना सूरवाल जिला सवाई माधोपुर के शव को बरामद कर स्थानीय प्रशासन को सुपुर्द किया। इस दौरान आपदा प्रबंधन सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने प्रतिदिन मौके पर पहुंच कर एसडीआरएफ एवं एनडीआरएफ को निर्देशित किया। मौके पर उपस्थित जिला कलक्टर शुभम चौधरी, पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता एवं उपखण्ड अधिकारी अनुप सिंह, तहसीलदार विनोद शर्मा बचाव एवं राहत दल को निरंतर निर्देश प्रदान किए। साथ ही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामकुमार कस्वा के नेतृत्व में पुलिस जाप्ता तैनात किया गया।

राज्य सरकार प्रदेश में उद्योग जनित प्रदूषण को रोकने के लिए प्रतिबद्ध - पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में उद्योग जनित प्रदूषण को रोकने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने सदन को आश्वस्त किया कि श्रीगंगानगर जिले में लाल श्रेणी की औद्योगिक इकाईयों की जाँच करवाकर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस सम्बन्ध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि औद्योगिक इकाईयों के विरुद्ध शिकायत प्राप्त होने पर विभाग द्वारा जाँच की जाती है तथा अनियमितता मिलने पर नोटिस देकर कमियों को दूर करने हेतु निर्देशित किया जाता है। समयसीमा में निर्देशों की अनुपालना नहीं करने वाले उद्योगों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाती है। इससे पहले विधायक डूंगरराम गेदर के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री ने बताया कि श्रीगंगानगर जिले में कुल एक हजार 113 औद्योगिक इकाईयां स्थानपित है, इनमें से 21 औद्योगिक इकाईयां लाल श्रेणी, 689 औद्योगिक इकाईयां नांरगी श्रेणी और 403 औद्योगिक इकाईयां हरी श्रेणी में वर्गीकृत हैं। उन्होंने इन इकाईयों का विवरण सदन के पटल पर रखा। उन्होंने बताया कि श्रीगंगानगर जिले में लाल श्रेणी में वर्गीकृत औद्योगिक इकाईयों में निरीक्षण के दौरान पायी गयी कमियों के आधार पर कारण बताओं नोटिस जारी करने पर उद्योगों द्वारा विभिन्नं प्रावधानों व पर्यावरण मानको की अनुपालना सुनिश्चित करने के संबंध में सुधारात्मनक कार्यवाही करवाई गई है। उन्होंने जारी नोटिसों का विवरण सदन के पटल पर रखा। शर्मा ने बताया कि सूरतगढ नगर पालिका क्षेत्र के ग्राम 37 पीएनबी, तहसील सूरतगढ, जिला श्रीगंगानगर में इकाई मैसर्स रिलायंस बायो एनर्जी लिमिटेड द्वारा प्रस्तागवित कम्प्रे स्डन बायो गैस प्लांवट राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल द्वारा औद्योगिक इकाईयों के वर्गीकरण हेतु जारी आदेश 2 जून 2020 के अनुसार हरी श्रेणी में वर्गीकृत है। उक्तव इकाई को राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल द्वारा 4 जून 2024 को स्थारपना सम्मथति जारी की गयी। उन्होंने इकाई को जारी स्थारपना सम्मनति की प्रति सदन के पटल पर रखी।

प्राधिकरण सचिव विक्रम सिंह भाटी ने किया बाल गृहों का आकस्मिक निरीक्षण

पाली, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार विक्रम सिंह भाटी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (अपर जिला न्यायाधीश) पाली द्वारा राजकीय सम्प्रेषण एवं किशोर गृह तथा राजकीय शिशु गृह का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सचिव भाटी द्वारा राजकीय सम्प्रेषण एवं किशोर गृह तथा शिशु गृह की साफ-सफाई, बालकों के लिये स्वच्छ कपड़ें, बिस्तर, भोजन व आहार, चिकित्सा व्यवस्था, पालनागृह, भवन की भौतिक स्थिति आदि व्यवस्थाओं बाबत् जायजा लिया। साथ ही सचिव भाटी द्वारा गृह में आवासित बालकों से वार्तालाप कर गृह में मिलने वाली सुविधाओं तथा अध्ययन के संबंध में एवं सम्प्रेषण गृह में विधि से संघर्षरत बालकों से उनकी परिवारजन से मुलाकात, न्यायमित्र द्वारा प्रकरण के संबंध में समय-समय पर अवगत करवाये जाने आदि के बारे में जानकारी ली। बालकों द्वारा गृह में पर्याप्त पोषित आहार तथा नाश्ते में आवश्यकतानुसार चाय एवं दूध उपलब्ध करवाया जाना बताया। वर्तमान में बालकों के खेलने हेतु इंडोर गेम्स में केरम, सांप सीढ़ी, लुड़ो इत्यादि उपलब्ध है। सचिव भाटी द्वारा गृहों में आवासित बालकों हेतु मैत्रीपूर्ण वातावरण उपलब्ध करवाने एवं भवन की नियमित रूप से साफ-सफाई एवं स्वच्छ रखने हेतु निर्देश दिए। दौराने निरीक्षण समन्वयक कन्हैयालाल आदि उपस्थित रहें।

अवैध खनन के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई, एक जेसीबी, दो डंपर व तीन ट्रैक्टर जब्त

बारां, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर के निर्देशानुसार खनिज विभाग की टीम ने अवैध खनन, निर्गमन और भंडारण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक जेसीबी, दो डंपर और तीन ट्रैक्टर (ट्रॉली सहित) जब्त किए हैं। यह कार्रवाई रविवार रात को तकनीकी कर्मचारियों द्वारा की गई। सहायक खनि अभियंता भँवरलाल लबाना ने बताया कि खनिज विभाग की टीम ने जांच के दौरान एक जेसीबी, दो डंपर में मैसनरी स्टोन ग्रिट और दो ट्रैक्टरों में मोरम (मैसनरी स्टोन) का अवैध खनन एवं निर्गमन करते हुए पाया गया। इस पर राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियमावली 2017 के नियम 54 व 60 के तहत कार्रवाई करते हुए वाहनों को पुलिस चौकी समरानियां, थाना केलवाड़ा के सुपुर्द किया गया। इसके अलावा, 2 मार्च को भी

एक ट्रैक्टर ट्रॉली सहित अवैध खनन में लिप्त पाया गया, जिस पर नियमानुसार कार्रवाई कर वाहन को पुलिस चौकी कुजेड़, तहसील अटरू को सुपुर्द किया गया। कार्रवाई के दौरान तकनीकी कर्मचारी अंशुमान मीणा, गोविंद प्रसाद शर्मा मौजूद रहे। सहायक खनि अभियंता ने बताया कि अधीक्षण खनि अभियंता अविनाश कुलदीप के मार्गदर्शन से अवैध खनन के खिलाफ जिला प्रशासन के सहयोग से सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। साथ विभाग द्वारा जब्त वाहनों पर आर.एम.एम.सी.आर. 2017 के नियम 54 व 60 के तहत राजकीय शास्ती (जुर्माना) की वसूली की जाएगी।

जिला कलेक्टर ने साप्ताहिक समीक्षा बैठक में दिए आवश्यक निर्देश

झुंझुनूं, (रॉयल पत्रिका)। कलेक्ट्रेट सभागार में सोमवार को जिला कलेक्टर रामावतार मीणा की अध्यक्षता में साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने विभिन्न विभागों की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने गत वर्ष व हाल ही में की गई बजट घोषणाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु भूमि आवंटन सहित अन्य कार्य प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए। साथ ही, पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को बजट में स्वीकृत सड़कों के कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग कर कार्य शीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए।

होली पर पानी की आपूर्ति बढ़ाने के निर्देश

जिला कलेक्टर ने पेयजल विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि होली के अवसर पर पानी की आपूर्ति को सुचारू रखा जाए और आवश्यकतानुसार इसे बढ़ाया जाए। इसके साथ ही, उन्होंने विद्त आपूर्ति व मौसमी बीमारियों की स्थिति पर भी अधिकारियों से चर्चा की।

ओलावृष्टि से हुई फसल क्षति का होगा आंकलन

बैठक में कृषि विभाग के अधिकारियों ने ओलावृष्टि से हुई फसलों की क्षति की जानकारी दी। इस पर कलेक्टर ने राजस्व विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि गिरदावरी कार्य को शीघ्रता से पूरा कर प्रभावित किसानों की सहायता के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं।

यात्रियों की सुविधाओं पर जोर

कलेक्टर रामावतार मीणा ने

जिले के बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन सहित अन्य सार्वजनिक स्थानों पर यात्रियों की सुविधाओं को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निजी व रोडवेज बस स्टैंड पर आधारभूत सुविधाओं को मजबूत किया जाए। साथ ही, दिव्यांगजन के लिए रैंप व व्हीलचेयर की उपलब्धता सुनिश्चित करने के आदेश दिए।

फायर सेफ्टी और चिकित्सा सेवाओं पर विशेष ध्यान

नगर परिषद आयुक्त दिलीप पूनिया को निर्देश दिए गए कि सभी व्यावसायिक भवनों व अस्पतालों में फायर फाइटिंग सिस्टम की जांच सुनिश्चित करें। वहीं, सीएमएचओ को निर्देश दिए कि निजी अस्पतालों में चिकित्सा प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कार्रवाई करें।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना में तेजी लाने के निर्देश

बैठक में जिला रसद अधिकारी को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के तहत वंचित परिवारों के नाम जोड़ने की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए गए, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद परिवार इस योजना का लाभ उठा सकें।

यह रहे मौजूद

बैठक में झुंझुनू एसडीएम हवाई सिंह यादव, एसीईओ रामनिवास चौधरी, जिला रसद अधिकारी डॉ निकिता राठौड़, सीएमएचओ डॉ छोटेलाल गुर्जर, सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता महेंद्र सिंह झाझडिया, जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियंता राज्यपाल सिंह, सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के संयुक्त निदेशक घनश्याम गोयल, समाज कल्याण विभाग के उपनिदेशक डॉ पवन पूनिया, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल अनिल पूनिया, एपीआरो विकास चाहर, पर्यटन विभाग के उपनिदेशक देवेंद्र चौधरी, सांख्यिकी विभाग की उपनिदेशक पूनम कटेवा सहित जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे

सिक्किम के राज्यपाल माथुर विष्णु महायज्ञ में हुये शामिल

पाली, (रॉयल पत्रिका)। सिक्किम राज्यपाल ओमप्रकाश माथुर आज मंगलवार को जिले के देसूरी तहसील के गुड़ा मांगलिया पहुंचे। वहां पर वे विष्णु महायज्ञ की पूर्ण आहुति में भाग लिया। जहां पर वे इस अवसर पर आयोजित विविध आयोजन में शामिल हुये। इस अवसर पर विष्णु महायज्ञ समिति के सदस्यों द्वारा माला व साफा पहना कर स्वागत किया गया, विष्णु महायज्ञ में यज्ञ वेदी पर पूर्ण आहुति दी। वहां मौजूद जनसभा को संबोधित करते हुए माथुर ने कहा की विष्णु महायज्ञ एक दुर्लभ यज्ञ है गोड़वाड़ की धारा पर कई वर्षों पश्चात यह पहला विष्णु यज्ञ हो रहा है । उन्होंने कहा कि मेरा सौभाग्य है कि इसमें शामिल हुआ। उन्होंने अभी हाल ही में हुए महाकुंभ की महिमा के बारे में बताया कि जननी जन्मभूमि स्वर्ग से भी महान है उन्होंने उपस्थित संत समुदाय के दर्शन दुर्लभ बताते हुए संत समुदाय का बखान किया कार्यक्रम में माथुर द्वारा विष्णु महायज्ञ के विभिन्न बोलियां में भाग लेने वाले भामाशाहों का तिलक, दुपट्टा व साफ़ा पहनकर स्वागत किया । इस अवसर पर उपस्थित विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी एवं जन समुदाय का आभार व्यक्त किया कार्यक्रम के दौरान पूर्व सांसद पुष्प जैन एवं महेन्द्रसिंह महाराज व संतजन व अन्य गणमान्य जन व आमजन मौजूद रहे।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर भव्य आयोजन, 350 बालिकाएं लेंगी भाग

-8 मार्च को होगी 'नींव, लड़कियां भागे सबसे आगे' 5 किमी दौड़

बारां, (रॉयल पत्रिका)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च) के उपलक्ष्य में जिले में भव्य आयोजन की तैयारियां को लेकर एडीएम दिवांशु शर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार को मिनी सचिवालय सभागार में बैठक आयोजित हुई। बैठक में हमारी लाडो फाउंडेशन संस्थापिका सुश्री प्रेमलता पुनिया, महिला अधिकारिता विभाग, शिक्षा विभाग, खेल विभाग, पुलिस प्रशासन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। एडीएम ने सभी संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम बालिकाओं के आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हमें इसे सफल बनाने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए। उन्होंने शिक्षा विभाग, महिला अधिकारिता विभाग और पुलिस प्रशासन को आपसी समन्वय बनाकर कार्यक्रम को सफल बनाने के निर्देश दिए।

बैठक में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए आयोजित किए जा रहे 'नींव, लड़कियां भागे सबसे आगे' 5 किलोमीटर दौड़ एवं अन्य कार्यक्रमों की तैयारियों की समीक्षा की गई। दौड़ का आयोजन महिला अधिकारिता विभाग, बारां एवं हमारी लाडो फाउण्डेशन के संयुक्त तत्वावधान में किया जाएगा।

महिला दिवस पर भव्य दौड़ प्रतियोगिता, बेटियों के सशक्तिकरण का संदेश

सुश्री प्रेमलता पुनिया ने बताया कि इस दौड़ में बारां जिले के सभी 8 ब्लॉकों से राजकीय विद्यालयों की लगभग 350 बालिकाएं भाग लेंगी। दौड़ में शामिल बालिकाओं को प्रेरित करने और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिए जिले के जनप्रतिनिधि, जिला कलक्टर अन्य प्रशासनिक अधिकारी सहित गणमान्य लोग उपस्थित रहेंगे। उन्होंने कहा कि फाउण्डेशन द्वारा जिले के विभिन्न सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाली 350 बालिकाओं को 10 सप्ताह तक आत्मरक्षा, नेतृत्व क्षमता और आत्मनिर्भरता का प्रशिक्षण दिया गया है।

दौड़ का रूट निर्धारित

दौड़ 8 मार्च को प्रातः 730 बजे से प्रारंभ होगी। इसके लिए निर्धारित रूट खेल संकुल से प्रारंभ होकर चारमूर्ति सर्किल, प्रताप चौक, धर्मादा चौराहा, कन्या महाविद्यालय एवं ओवरब्रिज के नीचे से पुनः खेल संकुल पर समापन होगा। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा विशेष प्रबंध किए जाएंगे। ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए मार्गों पर यातायात को अस्थायी रूप से डायवर्ट किया जाएगा।

बालिकाओं के सम्मान में विशेष कार्यक्रम

दौड़ के समापन के बाद कोटा रोड स्थित राज पैलेस होटल में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम के अंतर्गत दौड़ में भाग लेने वाली सभी बालिकाओं को प्रशंसा पत्र प्रदान किए जाएंगे। अध्ययनरत नन्हीं बालिकाओं को बैग व गिफ्ट वितरण किया जाएगा। बेबी किट वितरण कार्यक्रम भी आयोजित होगा। मोटिवेशनल स्पीच एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन होगा, जिसमें समाज की सफल महिलाओं द्वारा बालिकाओं को मार्गदर्शन दिया जाएगा।

फार्मेसी जागरूकता यात्रा उदयपुर पहुंची

-गीतांजलि विश्वविद्यालय में भव्य स्वागत

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। फार्मा लोक द्वारा आयोजित प्रोफेसर एम एल श्रॉफ की 123वीं जयंती के अवसर पर एवं राष्ट्रीय फार्मेसी एज्युकेशन दिवस के उपलक्ष में 5वीं फार्मेसी जागरूकता यात्रा सोमवार 03 मार्च को उदयपुर पहुंची। यात्रा के राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर अमित झा और उनके सहयोगी पर्जन्य कुमार शुक्ला का गीतांजलि इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मेसी, गीतांजलि विश्वविद्यालय के प्रांगण में भव्य स्वागत डॉ. महेंद्र सिंह राठौर, डॉ. उड़ीचि कटारिया, डॉ. कल्पेश गौर, डॉ. नरेन्द्र भीमराज परिहार व विद्यार्थियों के उपस्थिति में किया गया। यात्रा के राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर ने बताया कि यह यात्रा 27 फरवरी को राजघाट नई दिल्ली से शुरू होकर देश के विभिन्न फार्मेसी संस्थानो में होते हुए 6 मार्च को डी वाय पाटिल यूनिवर्सिटी मुंबई मे संपन्न होगी। फार्मेसी प्रोफेशन की जागरूकता का अभियान का लक्ष्य है कि फार्मासिस्ट के अस्तित्व को आम लोगों में जागरूक करना है और भविष्य में आने वाले फार्मासिस्ट शिष्टाचार का उपयोग करें और अपने प्रोफेशन के संगठन को मजबूत करें।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस सप्ताह महिला सशक्तीकरण विषय पर जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित

बीकानेर ,(रॉयल पत्रिका)। जिला प्रशासन एवं महिला अधिकारिता विभाग के संयुक्त तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस सप्ताह के तहत 8 मार्च तक जिले में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इसी श्रृंखला में महिला अधिकारों के प्रति जागरूकता के लिए जिला स्तरीय कार्यशाला सोमवार को राजकीय महारानी सुदर्शन कन्या महाविद्यालय के सभागार में आयोजित हुई।

महिला अधिकारिता विभाग की उपनिदेशक डॉ. अनुराधा सक्सेना ने कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम 2013, पन्नाधाय सुरक्षा एवं सम्मान केंद्र, महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र, मुख्यमंत्री नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना के साथ भारतीय स्टेट बैंक की तरफ से महिला उद्यमिता, वित्तीय साक्षरता एवं बैंक की विभिन्न सेवाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने विभागीय योजना 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' के सकारात्मक पहलू पर प्रकाश डालते हुए बताया कि महिला अधिकारिता एक सोच है। इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के अंतिम छोर की बालिकाओं एवं महिलाओं के जीवन को उचित दिशा देना है। महिलाओं के साथ किसी भी प्रकार

का अन्याय नहीं हो, इसके लिए सखी सेन्टर तथा महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र निरंतर कार्यरत है।

कॉलेज प्राचार्य डॉ. अभिलाषा आल्हा ने बताया कि महिला एवं किशोरियों के कार्यस्थल पर सुरक्षित वातावरण संबंधित कानून व प्रावधानों की जानकारी महिलाओं को होना आवश्यक है।

स्थानीय शिकायत समिति की अध्यक्ष डॉ. किरण सिंह ने महिलाओं को अधिनियम और कानूनों के सकारात्मक पक्ष को समझने और इनका सदुपयोग करने की सलाह दी।

इसी दौरान डॉ. नूरजहां, श्रीमती सुनीता हटीला द्वारा महिला सशक्तिकरण एवं महिलाओं को जारूगकता उद्देश्य से कानून संबंधित प्रावधानों का व्याख्यान दिया गया।

एसबीआई वेल्थ के श्री अमनदीप सिंह व श्री धर्मपाल द्वारा साइबर ठगी की जानकारी देते हुए, डिजिटल अरेस्ट से सुरक्षित रहने हेतु जानकारी दी गई। एसबीआई के प्रेमप्रकाश एवं यशवीर द्वारा म्यूचल फंड के बारे में जानकारी दी गई। डॉ. राधा सोलंकी ने कार्यशाला का संचालन किया। कार्यशाला में महिला अधिकारिता विभाग के संरक्षण अधिकारी सतीश परिहार, महिला अधिकारिता पर्यवेक्षक मंजू बिश्नोई, रश्मि व्यास, अनुराधा पारीक, डॉ. मंजू मीणा आदि मौजूद रहे।

त्रिनेत्र बालगृह में बालकों के स्वास्थ्य के साथ हो रहा खिलवाड़

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (जिला एवं सेशन न्यायाधीश) सवाई माधोपुर के निर्देशानुसार मंगलवार को समीक्षा गौतम सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर द्वारा त्रिनेत्र बालगृह सवाई माधोपुर का मासिक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान सचिव समीक्षा गौतम द्वारा त्रिनेत्र बालगृह में शौचालयों एवं स्नानघर की साफ-सफाई, बालगृह परिसर एवं कमरों की साफ-सफाई आदि के संबंध में जांच की गई। बालगृह के शौचालय एवं स्नानघर अत्यधिक गन्दे पाये गये एवं एक टॉयलेट जाम पाया गया। इस संबंध में सचिव समीक्षा गौतम द्वारा त्रिनेत्र बालगृह के संचालक हरीश उपाध्याय को शौचालयों एवं स्नानघर की नियमित रूप से साफ-सफाई करवाने के संबंध में निर्देश प्रदान किये गये। साथ ही रसोईघर का निरीक्षण कर रसोईघर की साफ-सफाई, बर्तनों की साफ-सफाई, बालकों को प्रदान भोजन, पेयजल की व्यवस्था तथा भण्डार गृह में खाद्य-सामग्रियों की गुणवत्ता के संबंध में जांच की गई। जांच के दौरान बालगृह के रसोईघर में रखे कैसरोल में फफूंदी लगी पाई गई, जिसमें चपातियां रखी पाई गई। साथ ही भण्डार गृह में गन्दगी के कारण बदबू आ रही थी एवं एक्सपायरी दिनांक निकलने के बाद भी भण्डार गृह में रखे पोहों को उपयोग में लिया जा रहा था। साथ ही रसोईघर में रखी दालें भी खराब पाई गई, दालों में कीड़े पाये गये एवं लाल मिर्च के पैकेटों पर पैकेजिंग दिनांक व अंतिम उपयोग की दिनांक भी अंकित नहीं पाई गई।

इस संबंध में सचिव समीक्षा गौतम द्वारा खाद्य सुरक्षा टीम को बुलाकर मौके पर ही रसोईघर एवं भण्डार गृह में रखे लगभग 85 किलो खराब पोहों एवं दालों को नष्ट करवाया गया। खाद्य सुरक्षा टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी वेदप्रकाश पूर्विया, नितेश गौतम एवं अन्य स्टाफकर्मी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में मजबूती से आगे बढ़ रहा प्रदेश का ऊर्जा क्षेत्र

बारां, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राजस्थान ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर होने की दिशा में मजबूती से अग्रसर है। विधानसभा में प्रस्तुत वित्तीय वर्ष 2025-26 के राज्य बजट में इस महत्वपूर्ण सेक्टर के तीन आयामों-उत्पादन, वितरण एवं प्रसारण के समग्र विकास का रोडमैप प्रस्तुत किया गया है। बजट घोषणाओं से स्पष्ट है कि बीते एक साल में राजस्थान सरकार प्रदेश को ऊर्जा के क्षेत्र में सरप्लस स्टेट बनाने के संकल्प की क्रियान्विति में मजबूती से आगे बड़ी है। बजट में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को बढ़ावा देने की दिशा में दूरदर्शी प्रस्ताव किए गए हैं। इसके अन्तर्गत मुख्यमंत्री निःशुल्क बिजली योजना के लाभान्वित परिवारों को चरणबद्ध रूप से निःशुल्क सोलर प्लांट्स लगाकर प्रतिमाह 150 यूनिट बिजली निःशुल्क उपलब्ध कराने की घोषणा सम्मिलित है। इससे प्रदूषण रहित बिजली के उत्पादन एवं उपयोग को बढ़ावा मिलेगा। लोग पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के माध्यम से सौर ऊर्जा के उपयोग के लिए प्रेरित हो सकेंगे। अल्प आय वर्ग के परिवारों को इस योजना से जोड़ने के लिए विशेष प्रावधान राज्य सरकार ने बजट के माध्यम से किए हैं। अब इस वर्ग के ऐसे परिवार, जिनके घर की छत पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने

के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध नहीं है, उनके लिए सामुदायिक सोलर स्थापित किए जा सकेंगे। इसके अतिरिक्त अन्य राज्यों के साथ अधिक दर पर बिजली की बैंकिंग व्यवस्था समाप्त करने का प्रस्ताव भी बजट में शामिल किया गया है। इस व्यवस्था की खामियों के कारण वर्ष 2024 के गर्मी के सीजन में पीक डिमांड को पूरा करने के लिए राज्य सरकार को अतिरिक्त प्रयास करने पड़े थे। ऐसे समय में, जबकि प्रदेश में ऊर्जा की आवश्यकता थी, प्रदेश की पूर्ववर्ती सरकार द्वारा की गई बैंकिंग के कारण उन राज्यों को बिजली लौटाना राज्य सरकार की नैतिक जिम्मेदारी थी। अब इस व्यवस्था को समाप्त करने की मंशा सरकार ने बजट के माध्यम से व्यक्त की है। उपभोक्ताओं को बिजली संबंधी बेहतर सेवाएं प्रदान करना सरकार की प्राथमिकता है। इसी क्रम में 50 हजार नए कृषि कनेक्शन तथा 5 लाख नए घरेलू कनेक्शन प्रदान करने की घोषणा सरकार ने बजट में की है। प्रदेश के विकास के लिए बिजली का निरन्तर उत्पादन बढ़ाना सरकार की कार्ययोजना का महत्वपूर्ण बिन्द है। इसी के दृष्टिगत आगामी वित्त वर्ष में 6,400 मेगावाट बिजली के अधिक अतिरिक्त उत्पादन, 5,700 मेगावाट ऊर्जा उत्पादन के कार्य हाथ में लेने, निजी क्षेत्र के माध्यम से आगामी वर्ष में 10 गीगावाट ऊर्जा उत्पादन प्रारंभ करने तथा 10 गीगावाट के ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना की घोषणाएं बजट में सम्मिलित हैं। प्रसारण तंत्र को सुदृढ़ करने के लिए आगामी वित्त वर्ष में 180 नए ग्रिड सब स्टेशनों के निर्माण का प्रस्ताव बजट में किया गया है। इसके अन्तर्गत 765 केवी का एक, 400 केवी के पांच, 220 केवी के 13, 132 केवी के 28 तथा 33/11 केवी के 133 ग्रिड सब स्टेशन के निर्माण तथा विद्त लाइनों के विस्तार के कार्य किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त प्रदेशवासियों को बिजली की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में रबी- 2025 के लिए विद्त वितरण की पीक डिमांड की आपूर्ति में बढ़ोतरी कर 20 हजार 750 मेगावाट बिजली की आपूर्ति किया जाना प्रस्तावित किया गया है।

सम्पर्क पोर्टल, फ्लैगशिप योजना और विकास कार्यों की समीक्षा जिला कलक्टर ने दिए निर्देश

बारां, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर की अध्यक्षता में मंगलवार को मिनी सचिवालय सभागार में विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न योजनाओं, विकास कार्यों और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की गई। जिला कलक्टर ने सम्पर्क पोर्टल और समन्वय संगम ऐप के माध्यम से प्राप्त शिकायतों एवं जनसमस्याओं के निस्तारण की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी शिकायतों का समयबद्ध एवं संतोषजनक समाधान सुनिश्चित किया जाए। जिला कलक्टर ने सूर्य घर योजना एवं कुसुम योजना के तहत सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना की प्रगति की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि पात्र लाभार्थियों को समय पर योजना का लाभ दिया जाए। उन्होंने आगामी गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए जिला अस्पताल में आवश्यक व्यवस्थाओं में कूलर, पंखा एवं डकंटिग कूलर सहित बिजली व पेयजल आपूर्ति को लेकर निर्देश दिए। उन्होंने जलदाय विभाग के

अधिकारियों को निर्देश दिए कि जल स्रोतों की सफाई, मरम्मत एवं जल आपूर्ति व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाए ताकि आमजन को किसी प्रकार की परेशानी ना हो। उन्होंने मंगला पशु बीमा, खाद्य सुरक्षा एवं पेंशन योजना सहित अन्य विभागों की विभिन्न योजनाओं के तहत पात्र व्यक्तियों को लाभ देने के निर्देश दिए गए।

जिला कलक्टर ने एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) पर फसलों की खरीद के लिए व्यापक तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों तक पहुंचाने के लिए फील्ड विजिट कर प्रगति की नियमित मॉनिटरिंग करें। साथ ही, जनसुनवाई के माध्यम से प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता से निस्तारण करें। साथ ही जिले में चल रहे भवन, सड़क निर्माण एवं विद्त कनेक्शन कार्यों की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि सभी कार्य तय समय सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं। बैठक में एडीएम दिवांशु शर्मा, एडीएम जबर सिंह, डीएसओ अनील चौधरी, एसीईओ हरिशचंद मीणा, सहायक निदेशक शुभम नागर, डीटीओ डॉ कल्पना शर्मा, एसई राजवीर सिंह, सहायक निदेशक कृषि धनराज मीणा सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

राजस्थान धरोहर प्राधिकरण अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत बुधवार को आउवा दौरे पर

पाली, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान धरोहर प्राधिकरण अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत पाली जिले की एक दिवसीय यात्रा कार्यक्रम के तहत 5 मार्च को आउवा आएंगे। निर्धारित यात्रा कार्यक्रम के अनुसार राजस्थान धरोहर प्राधिकरण अध्यक्ष लखावत बुधवार, 5 मार्च को प्रातः 7 बजे जयपुर से प्रस्थान कर सवेरे 11 बजे आउवा मारवाड़ जंक्शन पहुंचेंगे। वे यहां 1857 स्वतंत्रता संग्राम पैनोरमा आउवा का निरीक्षण करेंगे। वे सवेरे 12रू30 बजे आउवा से जालोर के लिए प्रस्थान कर जाएंगे।

महाकुंभ से अर्थव्यवस्था को मिली रफ्तार

,मार्च के अंत तक चार ट्रिलियन डॉलर की हो जाएगी देश की इकोनॉमी

नई दिल्ली, एजेंसी। तमाम वैश्विक चुनौतियों के बावजूद घरेलू मांग की मजबूती से दुनिया में सबसे तेज गति से विकास करने का सिलसिला कायम है। चालू वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में भारत के जीडीपी की विकास दर 6.2 प्रतिशत दर्ज की गई जो चीन, अमेरिका, इंडोनेशिया, ब्राजील जैसे तमाम विकसित व विकासशील देशों की तुलना में अधिक है।

भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक संकेत यह है कि महाकुंभ के भव्य आयोजन, सार्वजनिक कंपनियों के पूंजीगत खर्च में बढ़ोतरी और गैर पेट्रोलियम व गैर जेम्स व ज्वैलरी निर्यात में बढ़ोतरी से चालू वित्त वर्ष की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) में विकास दर 7.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

जीडीपी विकास दर 6.5 प्रतिशत रहने की संभावना- चौथी तिमाही में जीडीपी के अच्छे प्रदर्शन से चालू वित्त वर्ष में जीडीपी विकास दर 6.5 प्रतिशत रहने का उम्मीद जताई गई है। इस विकास दर को हासिल करने से इस साल मार्च अंत में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार वर्तमान मूल्य पर चार ट्रिलियन डॉलर के पास पहुंच जाएगा। मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने बताया कि प्रयागराज में महाकुंभ के भव्य आयोजन से ट्रांसपोर्ट, फूड, होटल जैसे कई उद्योगों को बल मिला है।

महाकुंभ का असर जीडीपी में दिखेगा- 50-60 करोड़ लोग महाकुंभ में शामिल हुए जिससे खर्च में बढ़ोतरी हुई और उसका प्रभावशाली असर चौथी तिमाही के जीडीपी में दिखेगा। उन्होंने कहा कि पहली और दूसरी तिमाही के दौरान सार्वजनिक खर्च में चुनाव की वजह से कमी रही लेकिन अब इसमें काफी तेजी आई है और इस साल जनवरी तक पूंजीगत व्यय अनुमान का 75 प्रतिशत खर्च हो चुका है। इसके अलावा गैर पेट्रोलियम एवं गैर जेम्स व ज्वैलरी सेक्टर के निर्यात में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

चार ट्रिलियन डालर के स्तर को छूने में होंगे कामयाब- ग्रामीण व शहरी दोनों ही खपत में बढ़ोतरी हो रही है। इसलिए चौथी तिमाही में 7.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी वास्तविक दिख रही है।

नागेश्वरन ने कहा कि चालू वित्त वर्ष के अंत में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार 3.92 ट्रिलियन डॉलर का हो जाएगा और हम करीब-करीब चार ट्रिलियन डॉलर के स्तर को छू लेंगे।

नई परियोजनाओं से मिली रफ्तार

चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में निजी निवेशकों ने दो लाख करोड़ से भी कम मूल्य की नई परियोजना की घोषणा की थी। तीसरी तिमाही में सात लाख करोड़ की नई परियोजना का ऐलान निजी निवेशकों ने किया है। इन सब के बावजूद वैश्विक व्यापार में शुल्क और प्रतिबंध में हो रही बढ़ोतरी, डॉलर के मुकाबले रुपए में आ रही लगातार कमजोरी और स्टॉक मार्केट में लगातार हो रही गिरावट भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए जोखिम भरा साबित हो सकती है।

10,000 रुपए की एसआईपी से बने 5.31 करोड़, गिरते बाजार में भी निवेशकों को नहीं किया निराश

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार में जारी गिरावट ने निवेशकों की संपत्ति पर भारी असर डाला है, जिससे स्टॉक और म्यूचुअल फंड निवेशकों को बड़ा नुकसान हुआ है। हालांकि, लंबे समय तक निवेश बनाए रखने वाले निवेशकों को कुछ स्कीम्स में अब भी अच्छे रिटर्न मिल रहे हैं। ऐसी ही एक म्यूचुअल फंड स्कीम है एसबीआई लॉन्ग टर्म इक्विटी फंड, जिसने 25 साल में 19.03 प्रतिशत एक्सआरआर के साथ निवेशकों की पूंजी को 17 गुना से भी ज्यादा बढ़ाया है।

बाजार की गिरावट के बावजूद शानदार रिटर्न- हाल ही में भारतीय शेयर बाजार में लगातार गिरावट देखी गई, जिससे स्टॉक निवेशकों और म्यूचुअल फंड धारकों को झटका लगा। हालांकि, लंबे समय तक एसआईपी में निवेश बनाए रखने वाले निवेशकों को अब भी फायदा हो रहा है। इस स्कीम में 10,000 रुपए की मासिक एसआईपी करने वाले निवेशकों का पैसा 25 साल में 5.31 करोड़ रुपए तक पहुंच चुका है। हैरानी की बात ये है कि भारतीय शेयर मार्केट में लगभग 5 महीने से चल रही गिरावट के बावजूद इस स्कीम ने निवेशकों को निराश नहीं किया और इसकी सबसे बड़ी वजह ये है कि इसमें लंबे समय से निवेश जारी रखा गया।

लंबे निवेश का बड़ा फायदा

अगर किसी निवेशक ने 25 साल पहले इस स्कीम में 10,000 रुपए की मासिक एसआईपी शुरू की होती, तो उसका कुल निवेश 30 लाख रुपए होता लेकिन इस अवधि में फंड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इस निवेश को 5.31 करोड़ रुपए तक बढ़ा दिया।

म्यूचुअल फंड में धैर्य से निवेश का फायदा- शेयर बाजार में गिरावट के बावजूद, इस तरह की दीर्घकालिक निवेश रणनीति से बेहतर रिटर्न मिल सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि लंबे समय तक एसआईपी जारी रखना और बाजार के उतार-चढ़ाव को नजरअंदाज करना सबसे अच्छा तरीका है, जिससे निवेशकों को बड़े लाभ मिल सकते हैं।

इलेक्रामा 2025 का सफलतापूर्वक हुआ समापन

नवाचारों और इंडस्ट्री लीडरशिप का किया गया प्रदर्शन

भोपाल। ग्रेटर नोएडा, एजेंसी इंडियन इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईईईएमए) द्वारा आयोजित इलेक्रामा 2025 का 16वां संस्करण सफलतापूर्वकसंपन्न हो गया।इसके साथ ही, उसकी इलेक्ट्रिकल और संबंधित इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग के प्रमुख वैश्विक मंच के तौर पर स्थिति मजबूत हुई है। 1,000 से अधिक एग्जिबिटर्स, 400,000 सेअधिक बिजनेस विजिटर्स की मौजूदगीऔर अनुमानित 20 अरब डॉलर की बिज़नेसइनक्वायरीज़के साथ इस संस्करण ने पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए, जो इस आयोजन के बेहद व्यापक स्तर, प्रभाव और वैश्विक अपील का प्रमाण है। इलेक्रामा 2025 उद्योग जगत के लिए एक प्रमुख मंच के रूप में उभरा है, जिसमें प्रभावशाली बी2बी बैठकें, व्यावहारिक विचारशील लीडरशिप सेशन और रचनात्मक नीतिगत संवाद हुए। इसके जरिये वैश्विक और भारतीय दोनों हितधारक एकजुट हुए। इस कार्यक्रम के दौरान 15,000 से अधिक बी2बी बैठकों को सफलतापूर्वक आयोजन हुआ और इसने 80 देशों के 500 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय खरीदारों को आकर्षित किया, जिससे वैश्विक इलेक्ट्रिकल इकोसिस्टम तंत्र के भीतर एक भरोसेमंद भागीदार के रूप में भारत की स्थिति और मजबूत हुई है। इस साल की सबसे बड़ी खासियतोंमें से एक न्यू एनर्जी पैवेलियन का शुभारंभ रहा, जो बैटरी स्टोरेज, ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, डिजिटल एनर्जी, सोलर मॉड्यूल, सोलर इनवर्टर और कई सफल तकनीकों का एक अनूठा शोकेस था। इसके जरिये एक सस्टेनेबल और भविष्य के लिए तैयार ऊर्जा परिदृश्य की दिशा में भारत की तेज प्रगति को प्रदर्शित किया गया।

निवेश-बचत: विवादों से बचने को कम नॉमिनी का करें चयन, कागजी कार्रवाई हुई है आसान

संशोधित नियमों को पहले जानें

नईदिल्ली, एजेंसी। डीमैट और म्यूचुअल फंड खातों में नॉमिनी बनाते समय सावधानी जरूरी है। अन्यथा यह उत्तराधिकार योजना बनाने में परेशानी पैदा कर सकता है।?अब जब सेबी ने 10 व्यक्तियों को नॉमिनी बनाने की मंजूरी दी है तो इसमें और ज्यादा सावधानी बरतने की जरूरत है। सैद्धांतिक रूप से यह कदम सराहनीय है, पर व्यावहारिक रूप से समस्या खड़ा कर सकता है, क्योंकि नॉमिनी की संख्या जितनी अधिक होगी, उतने ही ज्यादा दस्तावेज और हस्ताक्षर की जरूरत होगी। ऐसा भी हो सकता है कि नॉमिनी में से किसी व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है या वह प्रक्रिया पूरी करने में सक्षम नहीं रहा है तो यह और ज्यादा विवाद खड़ा कर सकता है।

नॉमिनी के लिए?कागजी कार्रवाई आसान- एक मार्च से कई संशोधित नियम लागू हो गए हैं। इनमें से एक में नॉमिनी के लिए कागजी कार्रवाई को आसान किया गया है।?अब आपके साथ कुछ होता है, तो नॉमिनी को कागजी कार्रवाई से जूझना नहीं पड़ेगा। सिर्फ एक स्व-सत्यापित मृत्यु प्रमाण पत्र और केवाईसी संपत्ति ट्रांसफर के लिए काफी है। साथ ही, निवेशक के सक्षम नहीं होने पर नॉमिनी उसका कार्य कर सकता है।

संयुक्त खातों के मामले में एक की मौत हो जाती है तो विनियमित संस्थान उसके मृत्यु प्रमाण पत्र को छोड़कर जीवित संयुक्त धारक से केवाईसी या अंडरटेकिंग जैसा कोई दस्तावेज नहीं मांगेगा। निवेशक ने किसी को पावर ऑफ अटॉर्नी दिया है तो वह व्यक्ति नॉमिनी नियुक्त नहीं कर सकता है। संयुक्त फोलियो के ट्रांसफर में नॉमिनी के पास या तो अन्य नॉमिनी के साथ संयुक्त धारक के रूप में बने रहने या अपने संबंधित हिस्से के लिए अलग सिंगल फोलियो खोलने का विकल्प होगा। निवेशक शारीरिक रूप से अक्षम है, फिर भी काट्रैक्ट कर सकता है, तो नॉमिनी में से किसी एक (नाबालिग नॉमिनी को छोड़कर) को निवेशक के फोलियो को जारी रखने का अधिकार है।

कोका-कोला इंडिया और एसएलएमजी बेवरेजेस ने महाकुंभ 2025 में बनाया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड!

सबसे बड़े चिल्ड ड्रिंक डिस्प्ले के साथ इतिहास रचते हुए, कोका-कोला और एसएलएमजी ने नई ऊंचाइयों को छुआ

मुंबई, एजेंसी। कोका-कोला इंडिया और एसएलएमजी बेवरेजेस ने प्रयागराज महाकुंभ में सबसे बड़े चिल्ड ड्रिंक डिस्प्ले का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। यह ऐतिहासिक उपलब्धि लाखों श्रद्धालुओं को ताजगी देने और उद्योग में नए मानक स्थापित करने के उनके संकल्प को दर्शाती है। इस 250 फीट लंबी शानदार डिस्प्ले में 100 दरवाजों वाली कूलर वॉल बनाई गई, जिसमें 32,737 ठंडी ड्रिंक्स रखी गईं।

यह अनूठा दृश्य महाकुंभ में आकर्षण का केंद्र बना। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स द्वारा आधिकारिक रूप से मान्यता प्राप्त यह उपलब्धि कोका-कोला इंडिया और एसएलएमजी बेवरेजेस की उत्कृष्टता, विशाल संचालन क्षमता और लाखों श्रद्धालुओं के लिए यादगार अनुभव बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। संदीप बजोरिया, वाइस प्रेसिडेंट, इंडिया ऑपरेशंस, कोका-कोला इंडिया ने कहा, गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड जीतने वाली हमारी कूलर वॉल नवाचार और उत्कृष्टता का एक नया वैश्विक मानक स्थापित करती है। दुनिया के सबसे बड़े आयोजनों में से एक में लाखों श्रद्धालु जुटे, और एसएलएमजी बेवरेजेस के साथ हमारी साझेदारी ने इस विशाल स्तर पर सभी के लिए सुचारू हाइड्रेशन सुनिश्चित किया। यह उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा महाकुंभ को विश्वस्तरीय आयोजन बनाने के प्रयासों से पूरी तरह मेल खाता है, जो भारत की सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक मंच पर गौरवान्वित कर रहा है। कॉस्टिन मैन्ड्रिया, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, एसएलएमजी बेवरेजेस ने कहा, हमारा लक्ष्य महाकुंभ में आने वाले करोड़ों लोगों को बेहतर हाइड्रेशन सुनिश्चित करना था। कोका-कोला इंडिया के साथ मिलकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाना इस बात का प्रमाण है कि एसएलएमजी बड़े पैमाने पर शानदार कार्यान्वयन करने में सक्षम है और सभी को बेहतर गुणवत्ता वाले ड्रिंक्स उपलब्ध करवा रहा है। यह उपलब्धि हमारे नवाचार और गुणवत्तापूर्ण हाइड्रेशन के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जो विकास और सकारात्मक प्रभाव के साझा दृष्टिकोण से प्रेरित है।

यह रिकॉर्ड सिर्फ एक संख्या नहीं, बल्कि दुनियाभर के बड़े आयोजनों में ब्रांड एक्टिवेशन की नई मिसाल है। यह साबित करता है कि इतने बड़े पैमाने पर बेवरेज डिस्प्ले स्थापित करने के लिए सटीक योजना और शानदार प्रबंधन की जरूरत होती है।

मजाक उड़ाने वाले अंग्रेजों को बना दिया अपने होटल में बटलर... जमशेदजी टाटा ने ऐसे लिया बदला

मशेदजी टाटा ने साल 1868 में टाटा ग्रुप की स्थापना की थी

आज यह देश का सबसे बड़ा औद्योगिक घराना है

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय उद्योग जगत के पितामह जमशेदजी टाटा की आज 186वीं जयंती है। उन्होंने 1868 में टाटा ग्रुप की स्थापना की थी जो आज देश का सबसे बड़ा औद्योगिक घराना है। आज इसका कारोबार दुनिया के 160 से अधिक देशों में फैला है और इसमें 10 लाख से ज्यादा लोग काम करते हैं। इस ग्रुप की दो दर्जन से अधिक लिस्टेड कंपनियां हैं जिसमें से कई कंपनियां अपने सेक्टर की लीडर हैं। इसका कारोबार नमक, सूई, होटल से लेकर ऑटो और आईटी क्षेत्रों तक में फैला है। अंग्रेजों के राज में इस ग्रुप की शुरुआत हुई थी और यह कई दशकों से भारत के लोगों के दिलों पर राज कर रहा है।

जमशेदजी का जन्म 3 मार्च 1839 को गुजरात के छोटे से कस्बे नवसारी में हुआ था। उनके पिता का नाम

नुसरवानजी एवं उनकी माता का नाम जीवनबाई टाटा था। पारसी पुजारियों के खानदान में नुसरवानजी पहले कारोबारी थे। जमशेदजी 14 साल की नाजुक उम्र में ही पिताजी का साथ देने लगे। जमशेदजी ने एल्फिंस्टन कॉलेज में दाखिला लिया और अपनी पढ़ाई के दौरान ही हीरा बाई डाबू के साथ विवाह बंधन में बंध गए। वह 1858 में स्नातक हुए और अपने पिता के बिजनस से पूरी तरह जुड़ गए।

कैसे हुई शुरुआत- जमशेदजी टाटा ने साल 1868 में 21 हजार रुपयों से अपना खुद का बिजनस शुरू किया था। उस समय देश में अंग्रेजों का राज था। जमशेदजी ने सबसे पहले एक दिवालिया तेल कारखाना खरीदा और उसे एक रुई के कारखाने में तब्दील कर दिया।

इसका नाम बाद में बदलकर एलेक्जेंड्रा मिल रखा। दो साल बाद उन्होंने इसे खासे मुनाफे के साथ बेच दिया। इस पैसे के साथ उन्होंने नागपुर में 1874 में एक रुई का कारखाना लगाया था। महारानी विक्टोरिया ने उन्हीं दिनों भारत की रानी का खिताब हासिल किया था और जमशेदजी ने भी वक्त को समझते हुए कारखाने का नाम इम्प्रेस्स मिल रखा था।

ताज होटल की कहानी

जमशेदजी टाटा अपने एक कारोबारी मित्र के निमंत्रण पर मुंबई के काला घोड़ा इलाके में एक होटल गए थे। लेकिन यहां पर होटल के गेट से ही उन्हें यह कहकर वापस भेज दिया गया कि यहां सिर्फ गोरे लोग यानी अंग्रेजों को ही एंट्री मिलती है। जमशेदजी टाटा उस वक्त तो अपमान का घूंट पीकर रह गए, लेकिन उन्होंने इस बेइज्जती का बदला लेने का प्रण लिया। उन्होंने फैसला किया कि ऐसा होटल बनाएंगे जहां न केवल भारतीय बल्कि विदेशी भी बिना किसी रोक-टोक के आ-जा सकेंगे। यहीं से शुरुआत हुई होटल ताज की।

फरवरी में महिंद्रा और मारुति की बढ़ी ब्रिकी

● टाटा, किया का कुछ ऐसा रहा हाल

नई दिल्ली, एजेंसी। इस वर्ष फरवरी में महिंद्रा एंड महिंद्रा और मारुति सुजुकी की वाहन बिक्री में बढ़ोतरी रही है। महिंद्रा ने शनिवार को बताया कि पिछले महीने उसकी वाहन बिक्री 15 प्रतिशत बढ़कर 83,702 इकाई रही है। फरवरी 2024 में कंपनी ने 72,923 वाहनों की बिक्री की थी।

घरेलू बाजार में कंपनी के यूटिलिटी वाहनों की बिक्री 19 प्रतिशत बढ़कर 50,420 इकाई रही

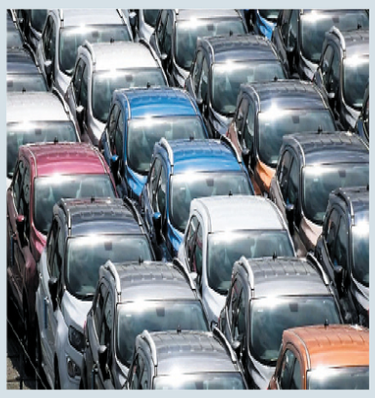

है। इसी तरह निर्यात 99 प्रतिशत बढ़कर 3,061 इकाई रही है। पिछले वर्ष फरवरी में कंपनी ने 1,539 वाहनों का निर्यात किया था। मारुति सुजुकी ने पिछले महीने 1,99,400 वाहनों की बिक्री की है। इसमें पिछले वर्ष फरवरी के 1,97,471 वाहनों के मुकाबले मामूली वृद्धि रही है। कंपनी ने शनिवार को बताया कि इस वर्ष फरवरी में घरेलू बाजार में यात्री वाहन बिक्री 1,60,791 इकाई रही है। पिछले महीने आल्टो और एसप्रेसो जैसी छोटी कारों की बिक्री घटकर 10,226 इकाई रही है, जो पिछले वर्ष समान अवधि में 14,782 इकाई थी।

फिक्स्ड डिपॉजिट पर उच्च ब्याज पाने का अंतिम मौका, लंबी अवधि में मिल सकता है बेहतर लाभ

नई दिल्ली, एजेंसी। आरबीआई ने दो साल बाद फरवरी में रेपो दर को 0.25 फीसदी घटाया था। इसके बाद से अब तक करीब एक महीने तक बैंकों ने कर्ज और जमा दोनों पर ब्याज दरों को जस का तस रखा था। हालांकि, अब कर्ज और जमा पर ब्याज दरें घटनी शुरू हो गई हैं। इसके बावजूद कई बैंक अब भी जमा पर ऊंची ब्याज दर दे रहे हैं। ऐसे में अगर आप बाजार की इस भारी गिरावट में सुरक्षित और अच्छे ब्याज पर पैसा जमा करना चाहते हैं तो यह संभवत- अंतिम मौका है। कई बैंक 7 से लेकर 9 फीसदी तक ब्याज दे रहे हैं। वरिष्ठ नागरिकों को इससे भी ज्यादा ब्याज मिल रहा है।

ये बैंक दे रहे 8.05 फीसदी तक ब्याज- बंधन बैंक एक साल के एफडी पर इस समय 8.05 फीसदी ब्याज दे रहा है। इंडसइंड बैंक इसी अवधि के लिए 7.75 फीसदी ब्याज दे रहा है। यस बैंक जहां 7.75 फीसदी दे रहा है, आरबीएल बैंक भी इसी दर से एफडी कर रहा है। कर्नाटक बैंक 7.25 फीसदी ब्याज दे रहा है। डीसीबी बैंक इन सबसे कम 7.1 फीसदी ब्याज की पेशकश कर रहा है। अलग-अलग अवधि पर एचडीएफसी बैंक 7.4 फीसदी, आईसीआईसीआई

बैंक 7.25 फीसदी, कोटक महिंद्रा 7.4 फीसदी और फेडरल बैंक 7.5 फीसदी ब्याज दे रहा है। वरिष्ठ नागरिकों को 0.50 फीसदी अधिक मिल रहा है। एसबीआई की ब्याज दर 7 से 7.5 फीसदी, बैंक ऑफ बड़ौदा की 7.15 फीसदी और यूनियन बैंक की 7.30 फीसदी है।

लंबी अवधि में मिल सकता है बेहतर लाभ- लंबी अवधि में ब्याज दरों में 0.50 फीसदी का अंतर ब्याज आय में काफी वृद्धि कर सकता है। यदि आपकी कुल एफडी रकम 10 लाख है और कोई बैंक 0.50 फीसदी ज्यादा ब्याज दे रहा है तो इसका मतलब कि आप साल में 5,000 रुपये की अतिरिक्त कमाई कर सकते हैं।

एडलवाइज लाइफ़ की स्टडी से पता चलता है कि भारत में सैंडविच जेनरेशन के 60 प्रतिशत लोगों को भविष्य की फाइनेंशियल सिक्योरिटी की चिंता है

मुंबई, एजेंसी। भारत में सैंडविच जेनरेशन के लोग अपने माता-पिता और बच्चों की ज़िंदगी को हर संभव तरीके से सबसे बेहतर बनाने पर ध्यान देते हैं, फिर भी उन्हें ऐसा लगता है कि वे अपने भविष्य के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं हैं। एडलवाइज लाइफ़ इंश्योरेंस की एक स्टडी के अनुसार, 60 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से सहमत हैं कि, चाहे मैं कितनी भी सेविंग या इन्वेस्ट कर लूँ, पर ऐसा लगता है कि ये भविष्य के लिए काफ़ी नहीं है। सामान्य तौर पर 35 से 54 साल की उम्र के लोगों को सैंडविच जेनरेशन कहा जाता है, जिनके कंधों पर दो पीढ़ियों - यानी अपने बुज़ुर्ग माता-पिता और बढ़ते बच्चों की आर्थिक ज़रूरतों को पूरा करने की ज़िम्मेदारी होती है। जीवन बीमा कंपनी ने यूगो के साथ मिलकर देश के 12 शहरों में इस जेनरेशन के 4,005 लोगों का एक सर्वे किया, ताकि उनके नज़रिये, उनकी धारणा और वित्तीय तैयारी के स्तर को समझा जा सके।

इस मौके पर एडलवाइज लाइफ़ इंश्योरेंस के एमडी एवं सीईओ, सुमित राय ने कहा, पिछले कुछ सालों में अपने ग्राहकों के साथ बातचीत के आधार पर हमने इस बात को करीब से जाना है कि, सैंडविच जेनरेशन के लोग किस तरह अपने माँ-बाप और बच्चों की देखभाल के बीच फंसे हुए हैं। वे स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा जैसी ज़रूरी सुविधाएँ उपलब्ध कराना चाहते हैं, साथ ही वे अरमानों भरी ज़िंदगी भी देना चाहते हैं, जिसमें 'ज़रूरतों' को पूरा करने के लिए ख़्वाहिशों की कुर्बानी नहीं देनी पड़े। यही सबसे बड़ी वजह है, जो उन्हें वित्तीय फैसले लेने के लिए प्रेरित करती है। और इन सब के बीच, वे अक्सर अपने सपनों को पीछे छोड़ देते हैं, जिससे उन्हें यह महसूस होता है कि वे भविष्य के लिए तैयार नहीं हैं।

उनके वित्तीय फैसले परिवार के लिए अपनी ज़िम्मेदारी और प्यार पर आधारित होते हैं। हमारी स्टडी के नतीजे बताते हैं कि, इस जनरेशन के लोगों में आर्थिक रूप से तालमेल का अभाव या मनी डिस्मॉर्फिया (सरल शब्दों में, मनी डिस्मॉर्फिया का मतलब है, अपनी आर्थिक स्थिति के बारे में दुखी महसूस करना) है। 50 प्रतिशत से अधिक लोग अलग-अलग बातों से अपनी सहमति जताते हैं, जिसमें पैसे खत्म होने की चिंता, हमेशा पीछे रह जाने और ज़िंदगी में कुछ अच्छा नहीं कर पाने का अहसास शामिल है।

सुमित राय ने आगे कहा, इस जनरेशन के लोग अपनी ख़्वाहिशों के बारे में जानते हैं और मानते हैं कि, अपनी पसंद की प्रोडक्ट कैटिगरी में निवेश करके भविष्य की अच्छी तरह से योजना बनाना बेहद जरूरी है। लेकिन हमारी इस स्टडी से कुछ दिलचस्प बातें भी सामने आई हैं। उनमें इस तरह के एक्टिव इन्वेस्टमेंट को अगले 1-2 सालों तक बरकरार रखने में काफी कम रुचि दिखाई देती है।

जुड़वा बच्चे चाहती हैं कियारा

बच्चों में चाहती हैं करीना कपूर की ये खूबियां

कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रहे हैं, जिससे प्रशंसक और सेलेब्स सभी खुश हैं। कियारा का एक पुराना वीडियो सामने आया है, जिसमें वह अपने जुड़वा बच्चों की चाहत के साथ ही उनमें खास खूबियों के बारे में बताती नजर आ रही हैं। कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा जल्द ही माता-पिता बनने वाले हैं। शुक्रवार को इस कपल ने घोषणा की कि वे अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रहे हैं। इस खुशखबरी को पाकर प्रशंसक बेहद खुश हैं और साथ ही कई सेलेब्स उन्हें इस खुशखबरी के लिए लगातार बधाई दे रहे हैं, जिसमें आलिया भट्ट से लेकर करण जौहर, शिल्पा शेट्टी, करीना कपूर खान के अलावा कई सेलेब्स शामिल हैं।

हाल ही में कियारा का एक पुराना इंटरव्यू सामने आया है जिसमें वह हेल्दी और जुड़वा बच्चों का बात करती नजर आ रही हैं। कियारा की प्रेग्रेंसी की घोषणा के बाद अब यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में जब कियारा से पूछा गया कि अगर उनके जुड़वा बच्चे हों तो वह दो लड़कियां, दो लड़के या दोनों में से एक लड़का और एक लड़की चाहेंगी।

इस सवाल के जवाब में कियारा ने कहा, मैं बस दो स्वस्थ बच्चे चाहती हूं, जो भगवान मुझे दे। करीना कपूर ने कहा कि यह मिस यूनिवर्स के जवाब जैसा लग रहा है। कियारा ने कहा कि वह एक लड़की और एक लड़का चाहती हैं। जब उनसे पूछा गया कि करीना के कौन सी क्वालिटी वह अपनी बेटी में देखना चाहेंगी, तो कियारा ने कहा, उनका कॉन्फिडेंस, उनके एक्सप्रेशन, और उनका औरा, उनकी सारी खूबियां क्योंकि वह 10 में से 10 हैं। यह इंटरव्यू कियारा, करीना, अक्षय कुमार और दिलजीत दोसांझ की फिल्म गुड न्यूज के प्रमोशन के दौरान कै है।

क्या टीवी सीरियल नागिन के सातवें सीजन में नजर आने वाली हैं अविका गौर?

एकता कपूर के धारावाहिक नागिन के सातवें सीजन में अभिनय को लेकर अभिनेत्री अविका गौर का नाम सामने आ रहा है। इन अटकलों पर एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर एक सवाल करके इस बात पर चुप्पी तोड़ी है। अभिनेत्री को नहीं है जानकारी

टेलीविजन शो के चर्चित धारावाहिक बालिका वधू की अभिनेत्री अविका गौर अपने शानदार अभिनय के लिए जानी जाती हैं। नागिन 7 में अभिनय को लेकर एक्ट्रेस की काफी चर्चा हो रही है। इस बारे में अविका ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर किया है, जिसमें उन्होंने मजाकिया अंदाज में सवाल किया कि वह नागिन सीरियल के सातवें सीजन में आने वाली हैं। क्या यह सही है? तो इसकी जानकारी उन्हें क्यों नहीं है।

एकता कपूर ने की नागिन 7 की घोषणा

हाल ही में निर्माता एकता कपूर ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें उन्होंने नागिन के सातवें सीजन को लेकर घोषणा की थी।

छावा ने तीसरे रविवार को इन फिल्मों को पछाड़ा

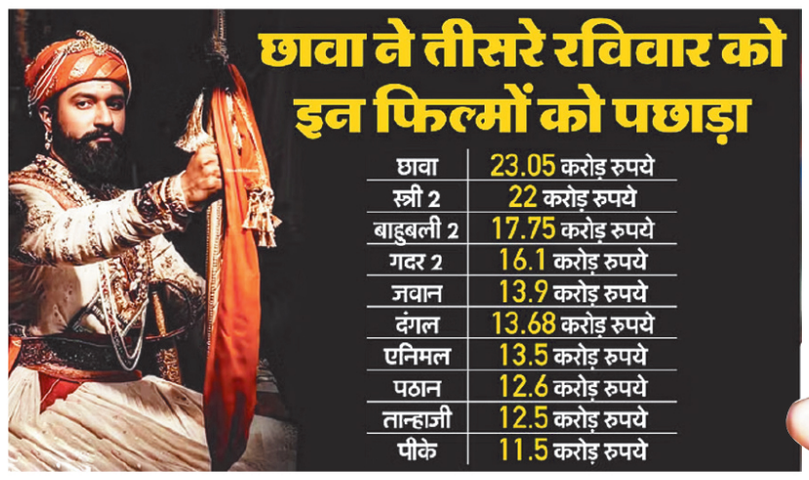

छावा	23.05 करोड़ रुपये
स्त्री 2	22 करोड़ रुपये
बाहुबली 2	17.75 करोड़ रुपये
गदर 2	16.1 करोड़ रुपये
जवान	13.9 करोड़ रुपये
दंगल	13.68 करोड़ रुपये
एनिमल	13.5 करोड़ रुपये
पठान	12.6 करोड़ रुपये
तान्हाजी	12.5 करोड़ रुपये
पीके	11.5 करोड़ रुपये

तीसरे रविवार छावा ने तोड़ा

10 फिल्मों का रिकॉर्ड, जवान और बाहुबली को भी पछाड़ा

विक्की कौशल, रश्मिका मंदाना और अक्षय खन्ना द्वारा अभिनीत पीरियड ड्रामा फिल्म छावा 14 फरवरी 20525 को रिलीज हुई थी। फिल्म को रिलीज हुए पूरे 17 दिन हो गए हैं। तीसरे रविवार को छावा ने पूरी 10 फिल्मों के कलेक्शन को पछाड़ दिया है।

विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना की फिल्म छावा का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन लगातार बढ़ता जा रहा है। छावा ने पहले दिन 31 करोड़ रुपये की कमाई से खाता खोला था। 15वें दिन फिल्म ने 400 करोड़ रुपये का आंकड़ा आसानी से पार कर लिया था। वहीं अब तीसरे रविवार को फिल्म छावा ने शाहरुख खान की जवान और पठान समेत 10 फिल्मों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

17वें दिन का कलेक्शन

लक्ष्मण उतेकर द्वारा निर्देशित फिल्म छावा का आज सिनेमाघरों में तीसरा रविवार रहा। ह्युड्ढष्ठद्बद्यद्म के अनुसार, छावा ने आज 17वें दिन बॉक्स ऑफिस पर 23.05 करोड़ रुपये की कमाई की।

फिल्म का अब तक का कुल कलेक्शन

पहले दिन फिल्म ने 31 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। वहीं पहले हफ्ते फिल्म ने 219.25 करोड़ रुपये और दूसरे हफ्ते 180.25 करोड़ रुपये की दमदार कमाई की। तीसरे शुक्रवार को फिल्म ने 13 करोड़ रुपये और तीसरे शनिवार को 22 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। वहीं आज तीसरे रविवार को छावा ने 23.05 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। अब तक विक्की कौशल की फिल्म छावा ने कुल 457.55 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। छावा की लगातार कमाई के हिसाब से वह दिन दूर नहीं जब यह फिल्म 500 करोड़ कल्ब में शामिल हो जाएगी।

तीसरे रविवार को छावा ने इन 10 फिल्मों को पछाड़ा

इसके अलावा, जिन फिल्मों के तीसरे रविवार ने सबसे ज्यादा कमाई का रिकॉर्ड बनाया है। आज छावा ने तोड़ा है उन सभी फिल्मों का रिकॉर्ड। इससे पहले तीसरे रविवार को स्त्री 2 ने 22 करोड़ रुपये। बाहुबली 2 ने 17.75 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। सनी देओल की फिल्म गदर 2 ने 16.1 करोड़ रुपये की कमाई की थी। वहीं शाहरुख खान की जवान ने तीसरे रविवार को 13.9 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। आमिर खान की दंगल ने 13.68 करोड़ रुपये और रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल ने 13.5 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। वहीं दीपिका पादुकोण और एसआरके कि फिल्म पठान ने 12.6 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। तान्हाजी ने 12.5 करोड़ रुपये और आमिर खान की पीके ने 11.5 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। इन सभी फिल्मों में अभी तक तीसरे रविवार को छावा का कलेक्शन सबसे ज्यादा रहा है।

छावा में इन अभिनेताओं ने निभाया है ये खास किरदार

विक्की कौशल ने फिल्म छावा में छत्रपती संभाजी महाराज की भूमिका निभाई है, जो मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज के सबसे बड़े बेटे थे। वहीं अक्षय खन्ना ने औरंगजेब की भूमिका निभाई है। रश्मिका मंदाना ने महारानी येसुबाई का किरदार निभाया है। इस फिल्म में आशुतोष राणा ने हंबीरराव मोहिते, दिव्या दत्ता ने राजमाता और विनीत कुमार सिंह ने कवी कलश का किरदार निभाया है।

दीपिका कक्कड़ ने बीच में छोड़ा 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ'

कुछ दिन पहले ही टीवी एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ ने कुकिंग रियालिटी शो 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' बीच में ही छोड़ दिया। इसकी वजह उन्होंने अपने हेल्थ इश्यूज को बताया। लेकिन सोशल मीडिया पर एक अलग ही कहानी सुनने को मिल रही है, वहां पर दीपिका को काफी ट्रोल भी किया जा रहा है। एक लंबे गैप के बाद टीवी एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ ने छोटे पर्दे पर वापसी की। वह कुकिंग रियालिटी शो 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' में नजर आईं, अपने कुकिंग का टैलेंट भी दर्शकों को दिखाया। लेकिन अचानक कुछ दिन पहले ही दीपिका कक्कड़ ने कुकिंग रियालिटी शो छोड़ दिया। शो छोड़ने का जो कारण दीपिका ने बताया है, उस पर कुछ सोशल मीडिया यूजर्स को भरोसा नहीं है। वह दीपिका को झूठ बोलकर शो छोड़ने के लिए ट्रोल कर रहे हैं।

शो छोड़ने के बाद भी ट्रोलिंग का शिकार : पिछले दिनों टीवी एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ ने यह कहकर 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' शो बीच में छोड़ दिया कि उनके हाथों में काफी दर्द है और वह शो में आगे हिस्सा नहीं ले सकती हैं। शो से बाहर आने के बाद दीपिका अपने पति शोएब इब्राहिम के साथ वैकेशन पर भी निकल गईं। साथ ही वह अपने बच्चे की भी अच्छी केयर करती दिखीं। ये सभी वीडियो सोशल मीडिया पर भी पोस्ट हुए। ऐसे में सोशल मीडिया यूजर्स ने दीपिका को ट्रोल किया कि वह झूठ बोलकर शो से बाहर आई हैं। वह आसानी से हाथों में कैमरा उठा रही हैं और व्लॉगिंग कर रही हैं।

पहले भी ट्रोल हुई हैं दीपिका कक्कड़: सेलिब्रिटी मास्टरशेफ शो के दौरान भी दीपिका को ट्रोलिंग का शिकार होना पड़ा था। दरअसल, उन्होंने शो में रोते हुए खुद को होममेकर, होम कुक बताया और इसे अपनी पहचान का अहम हिस्सा माना। दीपिका का यह रोना-धोना देख सोशल मीडिया यूजर्स ने उन्हें ट्रोल कर दिया।

अनुपम खेर ने की

सिकंदर खेर और बहनों की खूब तारीफ, बोले- आप पर गर्व है

अभिनेता अनुपम खेर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें वह अपने बेटे सिकंदर खेर के साथ ही चचेरी बहनों की भी तारीफ करते नजर आए। अनुपम ने इंस्टाग्राम पर अपनी चचेरी बहनों प्रियंका, भावना और बेटे सिकंदर की एक तस्वीर शेयर की। उन्होंने कैप्शन में तीनों की तारीफ करते हुए एक लंबा नोट भी लिखा। उन्होंने यह भी बताया कि भावना हाल ही में रिलीज हुई नेटफ्लिक्स टाइटल 'डब्बा कार्टेल' की लेखिका हैं।

अनुपम खेर ने लिखा, कभी-कभी छोटी-छोटी यादें हमारे दिल के बड़े हिस्से को कवर कर लेती हैं! डियर सिकंदर, प्रियंका और भावना! कुछ दिन पहले हमारे घर पर आप सभी को एक साथ देखकर बहुत अच्छा लगा। बचपन से ही आपको साथ-साथ बढ़ते देखा है! जो लोग नहीं जानते, उनको बता दूं कि प्रियंका और भावना मेरी छोटी बहनें हैं। (हम चचेरे भाई-बहन शब्द का इस्तेमाल नहीं करते हैं) मुझे आप तीनों पर बहुत गर्व है। इसके साथ ही उन्होंने बेटे की तारीफ करते हुए आगे कहा, सिकंदर! मुझे एक अभिनेता के रूप में आपकी पसंद, पसंद है। यह एक अभिनेता के रूप में आपकी भावना को भी दिखाता है। उन्होंने आगे उल्लेख किया, प्रियंका! मुझे आपका वह जुनून पसंद है जिसके साथ आप ब्रेकथ्रू ट्रस्ट में मुख्य रणनीतिक भागीदारी और संचार अधिकारी के रूप में अपना काम करती हैं और प्यारी भावना आप एक विज्ञापन एजेंसी के क्रिएटिव डायरेक्टर से लेकर नेटफ्लिक्स पर नंबर वन डब्बा कार्टेल सीरीज के लेखक तक का आपका ग्राफ बहुत ही सराहनीय है! मैं आप तीनों से बहुत प्रेरित हूं। हो सकता है कि बचपन की तस्वीर डालने पर आप मुझे पसंद ना करें, लेकिन यही तो जिंदगी है। उन्होंने लिखा, भगवान आपको दुनिया की सारी खुशियां दे। आप हमेशा एक-दूसरे से ऐसे ही प्यार करते रहें और मुझे आपकी प्रतिभा और क्षमताओं से मेल खाने के लिए तैयार रखें! आपको प्यार और आशीर्वाद! हमेशा जवानी में आपका! अनुपम। जल्द ही खेर फैमिली के अन्य अचीवर्स के बारे में लिखूंगा।

जान्हवी और राम चरण 'आरसी 16' के अगले शेड्यूल के लिये तैयार!

इस शहर में कर सकते हैं शूटिंग

बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर साउथ इंडियन अभिनेता राम चरण के साथ आगामी फिल्म 'आरसी 16' में व्यस्त हैं। फिल्म की शूटिंग हैदराबाद में पहले ही शुरू हो चुकी हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनो अब फिल्म के अगले शेड्यूल के लिए कमर कस रहे हैं। फिल्मफेयर की रिपोर्ट के मुताबिक राम चरण और जान्हवी की फिल्म का अगला शेड्यूल कथित तौर पर नई दिल्ली में होने वाला है। हालांकि, फिल्म की टीम या अभिनेताओं की ओर से इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई हैं। इसे लेकर सिर्फ अटकलें लगाई जा रही हैं। एआर रहमान इस फिल्म के लिए संगीत तैयार कर रहे हैं। फिल्म के रिलीज की तारीख अभी तक तय नहीं हुई है।

जावेद अख्तर बोले-

'दूसरी परेशानी मोल लूंगा', मानहानि केस में कंगना से हुई सुलह

हाल ही में जावेद अख्तर और कंगना रनौत के बीच मानहानि का एक मामला सुलझ गया है। दोनों के बीच इस मामले को लेकर सुलह हो चुकी है। इसी मुद्दे पर जावेद अख्तर ने दोबारा बात की और अपने विचार साझा किए।

लगभग पांच साल पहले जावेद अख्तर ने कंगना रनौत पर मानहानि का केस किया था। शुक्रवार को इस केस को लेकर उनके बीच सुलह हो गई। दोनों इस मामले को लेकर अदालत में

पेश हुए थे। इस मामले को लेकर जावेद अख्तर ने विस्तार से बात की।

कंगना ने माफी मांग ली

हाल ही में कंगना के साथ जो

मामला सुलझा है, उस पर राइटर जावेद अख्तर ने अपना रिएक्शन दिया है। वह कहते हैं, 'मैंने पैसे तो मांगे नहीं थे, बस मांफी चाहिए थी। कंगना ने अपने शब्द वापस ले लिए हैं, वह आगे से ऐसी बात नहीं दोहराएंगी।'

आगे की योजना भी बता दी: जब जावेद अख्तर से पूछा गया कि क्या वह इस मामले के सुलझने से खुश हैं तो उनका कहना था- 'नहीं, अब देखता हूं। कोई दूसरी परेशानी मोल लूंगा।' यह बात मजाकिया अंदाज में जावेद अख्तर ने कही। जावेद अख्तर अकसर ही मुखर होकर अपनी बातें सोशल मीडिया पर या मीडिया के बीच में कहते हैं। वह अपने बेबाक अंदाज के लिए भी दर्शकों के बीच जाने जाते हैं।

शुक्रवार को कंगना ने ही सोशल मीडिया पोस्ट करके इस बात की जानकारी दी थी कि जावेद अख्तर के साथ लीगल मामला सुलझ गया है। कंगना ने लिखा- 'आज मैंने और जावेद जी ने मानहानि से जुड़े अपने कानूनी मामले को लेकर सुलह कर ली है। हमने मध्यस्थता के जरिए मामला सुलझा लिया है। जावेद जी बेहद दयालु हैं और शानदार इंसान हैं। वे मेरी अगली फिल्म के गाने लिखने को भी राजी हैं।'

जान्हवी संग फैन ने किया

मिसबिहेव

कई बार फैंस हद पाकर करके कुछ ऐसा कर देते हैं कि सेलिब्रिटी, बॉलीवुड स्टार्स को भी बुरा फील होता है। हाल ही में जान्हवी कपूर के साथ भी ऐसा ही एक वाक्या हुआ। एक्ट्रेस के साथ एक फैन ने मिसबिहेव किया। फैन के इस बर्ताव को सोशल मीडिया यूजर्स ने भी क्रिटिसाइज कर दिया। कुछ महीनों पहले एयरपोर्ट पर करीना कपूर खान के साथ फोटो लेने के लिए फैंस ने उन्हें घेर लिया था, उनके साथ काफी मिसबिहेव किया। ऐसा ही सिचुएशन का सामना अब जान्हवी कपूर को करना पड़ा। एक फैन ने फोटो खिंचवाने के लिए एक्ट्रेस के साथ खराब बिहेव किया।

➢जब फैंस ने जबरदस्ती मास्क उतार दिया

हाल ही में मुंबई में जान्हवी कपूर नजर आईं। कुछ फैंस ने उन्हें देखा, वे लोग जान्हवी के साथ फोटो खिंचवाना चाहते थे। ऐसी ही एक फैन ने जान्हवी के साथ फोटो क्लिक करवाने के लिए उनका मास्क उतारने की कोशिश की। अचानक यह देख जान्हवी पीछे हो गईं और खुद ही अपना मास्क उतारकर फोटो क्लिक करवाया। फिर वह आगे बढ़ गईं।

➢सोशल मीडिया यूजर्स ने किया रिएक्ट

जब जान्हवी कपूर का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो यूजर्स का कहना था कि फैंस को एक्ट्रेस की प्राइवेसी का सम्माना करना चाहिए। सोशल मीडिया यूजर्स का यह भी मानना है कि कुछ लोगों को बिल्कुल भी तमीज नहीं होती है। एक यूजर का कहना था कि आप किसी सेलिब्रिटी को जानते लेकिन वह आपको नहीं जानता है,ऐसे में थोड़ा तो अच्छे से बिहेव करना चाहिए।

साभार एजेंसी

वरुण चक्रवर्ती ने तोड़ा मोहम्मद शमी का रिकॉर्ड

दुबई, एजेंसी। भारतीय टीम के मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को न्यूजीलैंड के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के आखिरी लीग मैच में मौका दिया गया और उन्होंने क्या गेंदबाजी की। वरुण की गेंदबाजी को कीवी बल्लेबाज समझ ही नहीं पाए और उन्होंने 5 विकेट लेकर भारतीय टीम को 44 रन से जीत दिलाने में बड़ी भूमिका निभाई। वरुण को उनकी इस घातक गेंदबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। यही नहीं उन्होंने इस गेंदबाजी के दम पर मोहम्मद शमी के इस रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया।

वरुण चक्रवर्ती ने कीवी टीम के खिलाफ 10 ओवर में 42 रन देकर 5 विकेट लिए और वो चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की तरफ से बेस्ट गेंदबाजी करने वाले दूसरे बॉलर बने। वरुण ने शमी को पीछे छोड़ दिया जिन्होंने इस टूर्नामेंट में भारत के लिए बांग्लादेश के खिलाफ 53 रन देकर 5 विकेट लिए थे, लेकिन अब वो तीसरे नंबर पर चले गए जबकि 42 रन देकर 5 विकेट लेने वाले वरुण दूसरे नंबर पर आ गए। इस लिस्ट में रविंद्र जडेजा पहले स्थान पर हैं जिन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ 36 रन देकर 5 विकेट लिए थे।

चैंपियंस ट्रॉफी में भारत के लिए बेस्ट गेंदबाजी

- 5/36 - रविंद्र जडेजा बनाम वेस्टइंडीज
- 5/42 - वरुण चक्रवर्ती बनाम न्यूजीलैंड
- 5/53 - मोहम्मद शमी बनाम बांग्लादेश
- 4/38 - सचिन तेंदुलकर बनाम ऑस्ट्रेलिया
- 4/45 - जहीर खान बनाम जिम्बाब्वे

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले के लिए अपनी प्लेइंग 11 में कोई बदलाव न करे टीम इंडिया: शास्त्री

दुबई, एजेंसी। भारतीय सीनियर पुरुष क्रिकेट टीम के पूर्व हेड कोच रवि शास्त्री का मानना है कि रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम को चैंपियंस ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में बिना किसी बदलाव के विजयी टीम के साथ उतरना चाहिए। उन्होंने इसका कारण यह बताया कि टीम ने हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ 44 रन की जीत के दौरान दुबई की परिस्थितियों का अच्छा अनुभव लिया है। भारत ने 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के ग्रुप ए के आखिरी मैच में न्यूजीलैंड को 44 रन से हराकर मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में जगह बनाई है।

यह मुकाबला दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। खास बात यह है कि 2023 वनडे विश्व कप फाइनल के बाद भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 50 ओवर के किसी भी आईसीसी नॉकआउट मुकाबले में यह पहली भिड़ंत हो रही है। उस मैच में भारत को अहमदाबाद में हार का सामना करना पड़ा था। शास्त्री ने आईसीसी के इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा, मुझे लगता है कि टीम में कोई बदलाव नहीं करना चाहिए क्योंकि अगले मैच के लिए केवल 48 घंटे का समय है। पिच पर खिलाड़ियों के दौड़ने से असर पड़ा है और वही पिच अगले मैच में इस्तेमाल होगी। ऐसे में स्पिनरों की भूमिका फिर से अहम रहेगी। रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए मैच में भारत ने दुबई की धीमी पिच को देखते हुए चार स्पिनरों - रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती - को खिलाया था।

इन चारों ने कुल मिलाकर 9 विकेट लिए, जिसमें चक्रवर्ती सबसे सफल रहे। उन्होंने 10 ओवर में 42 रन देकर 5 विकेट लिए, जो इस टूर्नामेंट में अब तक का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन है।

शास्त्री ने सही समय पर चक्रवर्ती को मौका देने के लिए टीम मैनेजमेंट की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, अगर आप उनकी मौजूदा फॉर्म देखें, तो यह शानदार है। मैं हमेशा मानता हूं कि वर्तमान फॉर्म सबसे महत्वपूर्ण होती है। उनका आत्मविश्वास और बॉडी लैंग्वेज बेहतरीन है। न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका जैसी टीमें इस टूर्नामेंट में बनी हुई हैं, लेकिन इनमें से किसी ने भी चक्रवर्ती को ज्यादा खेला नहीं है और न ही उन पर ज्यादा अध्ययन किया है। उन्होंने आगे कहा, उनका प्रदर्शन मुझे बहुत प्रभावित कर रहा है। टीम मैनेजमेंट ने सही समय पर उन पर भरोसा दिखाया। वह बीच के ओवरों में विकेट निकालने वाले गेंदबाज हैं और अब जब उन्हें मौका मिला, तो उन्होंने पांच विकेट झटके।

मुझे लगता है कि अब वह टीम में अपनी जगह पक्की कर चुके हैं। शास्त्री ने यह भी कहा कि दुबई की पिच पर पहले बल्लेबाजी करते हुए 240-250 का स्कोर बनाना सेमीफाइनल में जीत की कुंजी हो सकता है। उन्होंने कहा, अगर आप पहले बल्लेबाजी करते हैं और 240-250 से ज्यादा रन बना लेते हैं, तो यह इतने बड़े मुकाबले में काफी चुनौतीपूर्ण लक्ष्य होगा।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ केएल राहुल की होगी छुट्टी ! ऋषभ पंत को मिलेगा मौका?

नई दिल्ली, एजेंसी ।भले ही बांग्लादेश के खिलाफ केएल राहुल ने फील्डर ऑफ द मैच का मेडल जीता, लेकिन यह विकेटकीपर बल्लेबाज अपनी फॉर्म को बरकरार नहीं रख सका. न्यूजीलैंड के खिलाफ केएल राहुल से कई गलतियां हुई.

केएल राहुल की गलतियों ने कप्तान रोहित शर्मा और टीम मैनेजमेंट की परेशानी बढ़ा दी है. इस टूर्नामेंट के लिए केएल राहुल को फर्स्ट च्वॉइस विकेटकीपर के तौर पर चुना गया. जबकि ऋषभ पंत को बैकअप के तौर पर रखा गया है. अब सवाल है कि क्या भारतीय टीम मैनेजमेंट ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में केएल राहुल के साथ उतरेगी या फिर ऋषभ पंत का रूख करेगी?

न्यूजीलैंड के खिलाफ केएल राहुल ने सबसे पहले केन विलियमसन का कैच छोड़ा. उस समय केन विलियमसन महज 1 रन बनाकर खेल रहे थे. इसके बाद केन विलियमसन 81 रन बनाकर पवैलियन लौटे. न्यूजीलैंड की पारी के 26वें ओवर में केएल राहुल से फिर बड़ी गलती हो गई. कुलदीप यादव की गेंद पर टॉम लेथम की बैट का एज लगा, लेकिन केएल राहुल कैच पकड़ने में नाकाम रहे. वहीं, केएल राहुल के कैच छोड़ने के बाद भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा का रिएक्शन देखने लायक था. रोहित शर्मा बेहद उदास नजर आए.

... तो अब केएल राहुल पर गिरेगी गाज?

केएल राहुल की गलतियों का सिलसिला यहीं नहीं रूका... न्यूजीलैंड की इनिंग के 35वें ओवर में रवींद्र जडेजा की गेंद पर फिर से केन विलियमसन का कैच छोड़ा.

दरअसल, भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ तो जीत गई, लेकिन अगर इन गलतियों को दुरूस्त नहीं किया गया तो नॉकआउट मैचों में परेशानी का सबब बन सकता है.

हॉकी:

सीनियर महिला राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप में तेलंगाना और दिल्ली की जीत

नई दिल्ली, एजेंसी। डिवीजन बी के पूल ए में तेलंगाना ने असम पर 3-1 से जीत दर्ज कर अपने अभियान की शुरुआत की। दिन के दूसरे डिवीजन बी मैच में दिल्ली ने हिमाचल को 1-0 से हराया। तेलंगाना और दिल्ली ने रविवार को हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप के दूसरे दिन डिवीजन बी में जीत दर्ज की जबकि दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव ने भी डिवीजन सी के अपने मैच जीते। डिवीजन बी के पूल ए में तेलंगाना ने असम पर 3-1 से जीत दर्ज कर अपने अभियान की शुरुआत की। दिन के दूसरे डिवीजन बी मैच में दिल्ली ने हिमाचल को 1-0 से हराया। डिवीजन बी में दिन का आखिरी मैच छत्तीसगढ़ और चंडीगढ़ के बीच 1-1 से बराबरी पर समाप्त हुआ।

भारत के खिलाफ सेमीफाइनल से पहले ऑस्ट्रेलिया का स्टार ओपनर चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की टीम चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में है. मगर वहां पहुंचने के बाद उसे एक बड़ा झटका लगा है. टीम के स्टार ओपनर मैथ्यू शॉर्ट को टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा है. शॉर्ट के बाहर होने की वजह उन्हें लगी चोट हैं. ऑस्ट्रेलिया ने टीम में ऑलराउंडर की भूमिका निभाने वाले मैथ्यू शॉर्ट को युवा कूपर कोनोली से रिप्लेस किया है. शॉन मार्श की तरह बनने का इरादा रखने वाले कूपर भी बल्लेबाज होने के साथ-साथ शॉर्ट की ही तरह गेंद को टर्न कराने में भी माहिर हैं. मैथ्यू शॉर्ट को चोट अफगानिस्तान के खिलाफ मुकाबले में फील्डिंग करते हुए लगी थी, जिसके चलते उन्हें चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर होना पड़ा है. कप्तान स्टीव स्मिथ ने प्राइम वीडियो को बताया कि शॉर्ट सही से मूव भी नहीं कर पा रहे थे. हमें लगा था कि मुकाबले के बीच में मिले ब्रेक में वो रिकवर कर जाएंगे. मगर ऐसा नहीं हुआ. मैथ्यू शॉर्ट ने ऑस्ट्रेलिया को इंग्लैंड के खिलाफ मिली जीत में अहम भूमिका निभाई थी. उस मैच में उन्होंने 66 गेंदों में 63 रन की पारी खेली थी. उसके अलावा शॉर्ट ने अफगानिस्तान के खिलाफ मैच में 15 गेंदों में 20 रन बनाए थे. इस तरह उन्होंने टूर्नामेंट के 2 मैचों में 83 रन बनाए.

शॉर्ट को कूपर कोनोली ने किया रिप्लेस

21 साल के कूपर कोनोली की ऑस्ट्रेलियाई टीम में एंट्री पर ICC की टेक्निकल कमेटी की तरफ से मुहर लग चुकी है. कूपर टीम के ट्रेवलिंग रिजर्व का हिस्सा थे. कूपर कोनोली ने पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ वनडे डेब्यू किया था. उन्होंने अब तक सिर्फ 3 वनडे खेले हैं, जिसमें 10 रन बनाने के अलावा उनका कुछ खास योगदान नहीं है.

सेमीफाइनल में खेल सकते हैं कूपर

कूपर कोनोली सोमवार को यानी सेमीफाइनल मुकाबले से पहले टीम से जुड़ जाएंगे. उनके बतौर ओपनर सेमीफाइनल में खेलने के भी कयास लग रहे हैं. हालांकि टीम के पास जैक फ्रेजर जैसे ओपनर पहले से ही हैं मगर कूपर के खेलने की बड़ी वजह उनकी लेफ्ट आर्म स्पिन होगी, जो की शॉर्ट की ही तरह टीम को गेंदबाजी का एक विकल्प देने का काम करेंगे.

कबड्डी:

6 मार्च से हरिद्वार में शुरू होगा युवा ऑल स्टार्स चैंपियनशिप का महासंग्राम

हरिद्वार, एजेंसी। अपनी तरह का पहला कबड्डी टूर्नामेंट युवा ऑल स्टार्स चैंपियनशिप 6 मार्च 2025 से वंदना कटारिया इंडोर स्टेडियम हरिद्वार में शुरू होने जा रहा है। इस चैंपियनशिप के दौरान प्रतिदिन चार मुकाबले होंगे जबकि ग्रैंड फिनाले 4 अप्रैल को खेला जाएगा।

युवा प्रतिभाओं को बढ़ावा देने वाले इस मंच के बारे में बताते हुए युवा कबड्डी सीरीज के सीईओ विकास गौतम ने कहा, यह टूर्नामेंट सर्वश्रेष्ठ युवा खिलाड़ियों की टक्कर वाला ऐसा प्रारूप होने वाला है, जैसा कबड्डी के इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ।

30 दिनों तक लगातार होने वाले इन रोमांचक मुकाबलों में देश भर के युवा सितारे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते नजर आएंगे।

चर्चा को बढ़ाते हुए उन्होंने आगे कहा कि, युवा ऑल स्टार्स चैंपियनशिप हमारे और युवा खिलाड़ियों के लिए किसी सपने के सच होने जैसा है। यह युवा कबड्डी को एक नए मुकाम तक ले जाने का पहला कदम है और इसमें सम्मिलित होने वाले सभी प्रतिभागियों को मैं उज्जवल भविष्य के लिए ढेर सारी शुभकामनाएं देता हूं।

12 टीमें भिड़ेंगी खिताब के लिए

इस टूर्नामेंट में 12 टीमें खिताब के लिए एक दूसरे के आमने-सामने नजर आएंगी। दिसंबर 2024 से जनवरी 2025 के बीच खेले गए 11वें युवा कबड्डी सीरीज संस्करण से 6 टीमें इस चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई कर चुकी हैं।

डिवीजन 1 के विजेता पलानी टस्कर्स इस चुनौती की अगुवाई करेंगे, जबकि सोनीपत स्पार्टन्स (रनर-अप) और कुरुक्षेत्र वॉरियर्स (तीसरा स्थान) भी अपनी दावेदारी पेश करते नजर आएंगे।डिवीजन 2 से यूपी फाल्कन्स (चैंपियन) और चंडीगढ़ चार्जर्स (रनर-अप) भी इस लीग का हिस्सा रहेंगे, वहीं डिवीजन 3 के विजेता वास्को वाइपर्स भी इस बहुप्रतीक्षित टूर्नामेंट में अपनी जगह पक्की कर चुके हैं। इन 6 क्वालीफाई टीमों के अलावा 6 इनविटेशनल यूथ टीमें भी इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी, जिनके नाम जल्द घोषित किए जाएंगे।

आईपीएल 2025:

केकेआर ने सीजन के लिए किया नई थ्री स्टार जर्सी का अनावरण

कोलकाता, एजेंसी। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 18वें सीजन के लिए अपनी नई जर्सी का अनावरण किया है। सोमवार को जारी इस जर्सी में एक खास बदलाव किया गया है - इसमें तीन सितारे जोड़े गए हैं, जो टीम की तीन आईपीएल खिताबी जीत (2012, 2014, 2024) का प्रतीक हैं। केकेआर ने जर्सी लॉन्च के लिए एक खास वीडियो जारी किया। इस वीडियो में रिंकू सिंह, वेंकटेश अय्यर, रमणदीप सिंह, मनीष पांडे, वैभव अरोड़ा, अनुकूल रॉय, मयंक मार्कंडे और लवनीथ सिसोदिया नई जर्सी पहने दिख रहे हैं। टीम के लोगो के ऊपर तीसरे स्टार के अलावा इस बार जर्सी में एक और खासियत जोड़ी गई है। टीम की जर्सी की बांह पर एक सुनहरा आईपीएल बैज भी होगा, जो मौजूदा चैंपियन के सम्मान में 2025 सीजन से जोड़ा गया है। थ्री-एज्ड स्टार थीम पर बनी इस नई जर्सी को बिक्री के लिए भी लॉन्च किया गया है। प्रशंसक इसे नाइट क्लब (केकेआर का आधिकारिक ऐप), वेबसाइट और सोशल मीडिया चैनलों से खरीद सकते हैं।

केकेआर ने 3 मार्च (03/03) को नई बैंगनी और सुनहरी जर्सी लॉन्च करने का खास दिन चुना। इसी के साथ, टीम ने इन द नाइट स्काई अभियान के तहत अंतरिक्ष में तीन असली सितारों को रजिस्टर करवाया और उनका नाम टीम के नारे कोर्बो, लोरबो और जीतबो रखा गया है। यह 2012, 2014 और 2024 में उनकी जीत को समर्पित है। केकेआर ने अब तक चार बार आईपीएल फाइनल में जगह बनाई है और तीन बार खिताब जीता है। 2021 में वे उपविजेता रहे थे और तब उन्होंने टूर्नामेंट के इतिहास की सबसे शानदार वापसी में से एक की थी।

आईपीएल 2025 में केकेआर अपने अभियान की शुरुआत 22 मार्च को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ ईडन गार्डन्स में करेगी, जहां उनकी नजरें चौथे खिताब पर होंगी।

क्वालिफायर:

फैंस के लिए खुशखबरी, विश्व कप क्वालिफायर में अर्जेंटीना की कमान मेसी संभालेंगे

ब्यूनस आयर्स, एजेंसी। अर्जेंटीना 12 मैचों में 25 अंक लेकर शीर्ष पर है, जबकि उरूग्वे के 20 अंक हैं। पहला मैच मोंटेवीडियो में 21 मार्च को खेला जाएगा।

अर्जेंटीना के कोच लियोनेल स्कालोनी ने उरूग्वे और ब्राजील के खिलाफ दक्षिण अमेरिका विश्व कप फुटबॉल क्वालीफाइंग मैचों के लिसे लियोनेल मेसी की अगुआई में 33 खिलाड़ियों की प्रारंभिक टीम चुनी है। टीम में अंडर 21 स्ट्राइकर क्लाउडियो इचेवेरी को भी शामिल किया गया है जो हाल ही में मैनचेस्टर सिटी से जुड़े हैं।

इनके अलवा निकोलस पाज, बेंजामिन डोमिनगेज और सैंटियागो कास्ट्रो भी टीम में हैं जो 21 वर्ष से कम उम्र के हैं। अर्जेंटीना 12 मैचों में 25 अंक लेकर शीर्ष पर है, जबकि उरूग्वे के 20 अंक हैं। पहला मैच मोंटेवीडियो में 21 मार्च को खेला जायेगा ।

ट्रंप के सहयोगियों ने जेलेंस्की की आलोचना की

» फीनिक्स (अमेरिका), भाषा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वरिष्ठ सहयोगियों ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की की आलोचना की है। यूक्रेनी नेता के रूसी हमले के खिलाफ लड़ाई के वास्ते अंतरराष्ट्रीय समर्थन जुटाने के लिए लंदन में एक यूरोपीय शिखर सम्मेलन में शिरकत के बीच अमेरिकी अधिकारियों ने उन्हें आड़े हाथों लिया है। शुक्रवार को ओवल ऑफिस में बैठक में दौरान जेलेंस्की और ट्रंप तथा उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की बीच तीखी बहस हुई थी। नेताओं के बीच हुई बहस के बाद वाशिंगटन और कीव के बीच एक आर्थिक समझौते पर हस्ताक्षर नहीं हो सके। इस विवाद के कारण यूक्रेन के साथ रिश्ते का भविष्य सवालों के घेरे में आ गया है। साथ ही संघर्ष के समाप्त होने की संभावना भी खतरे में पड़ गई है जो फरवरी 2022 में रूस के आक्रमण के बाद शुरू हुआ था। व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वाल्ट्ज ने कहा कि व्हाइट हाउस में ज़ेलेंस्की का व्यवहार अपमानजनक था।

उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट नहीं है कि शुक्रवार को जो हुआ उसके बाद राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की इस युद्ध को समाप्त करने के उद्देश्य से बातचीत करने और समझौता करने के लिए तैयार हैं या नहीं। वाल्ट्ज ने कहा कि युद्ध को बातचीत के माध्यम से समाप्त करने के लिए यूक्रेन से क्षेत्रीय रियायतें और साथ ही सुरक्षा गारंटी पर रूसी रियायतें शामिल होंगी, लेकिन उन्होंने इस बारे में कोई और विवरण नहीं दिया कि मॉस्को को क्या करना होगा। प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष माइक जॉनसन ने भी इस सुझाव को दोहराया कि ज़ेलेंस्की को पद से हटना पड़ सकता है। जॉनसन ने कहा, या तो उन्हें होश में आना चाहिए और कृतज्ञता के साथ बातचीत की मेज पर वापस लौटना चाहिए, या किसी और को देश का नेतृत्व करके ऐसा करना चाहिए। उन्होंने कहा, मेरा मतलब है, यह यूक्रेनियों पर निर्भर है कि वे इसका हल निकालें। लेकिन मैं आपको बता सकता हूं कि हम मजबूती के साथ शांति की कोशिश कर रहे हैं। ट्रंप की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने कहा कि इस विवादास्पद बैठक से रिश्तों में बड़ी दरारें पैदा हो गई है। गबार्ड ने ज़ेलेंस्की की उस टिप्पणी पर भी आपत्ति जताई जिसमें उन्होंने कहा था कि उन्हें नहीं लगता कि उन्होंने कुछ गलत किया है। ओवल ऑफिस में हुई बैठक के बाद कांग्रेस के रिपब्लिकनों के बीच ज़ेलेंस्की के लिए समर्थन बहुत कम रहा है। लेकिन अलास्का की सीनेटर लीज़ा मुर्कोव्स्की ने यूक्रेन के लोगों के प्रति रिपब्लिकन राष्ट्रपति के रुख की आलोचना की। लीज़ा सार्वजनिक रूप से ट्रम्प से नाता तोड़ने के लिए तैयार कुछ जीओपी सांसदों में से एक हैं। उन्होंने शनिवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा मुझे पता है कि विदेश नीति दिल के कमज़ोर लोगों के लिए नहीं है, लेकिन अभी, मैं बहुत परेशान हूँ क्योंकि प्रशासन हमारे सहयोगियों से दूर जा रहा है और पुतिन को गले लगा रहा है, जो दुनिया भर में लोकतंत्र और अमेरिकी मूल्यों के लिए खतरा है। सीनेटर जेम्स लैंकफोर्ड ने कहा कि सीनेटरों द्वारा ज़ेलेंस्की को पद छोड़ने के लिए कहना अनुचित था। उन्होंने कहा की कि इस तरह का कदम इस समय यूक्रेन को अराजकता में डाल देगा। अन्य लोग ज़ेलेंस्की के समर्थन में अधिक मुखर थे। सीनेटर बर्नी सैंडर्स ने कहा कि लाखों अमेरिकी शर्मिंदा हैं। सैंडर्स ने कहा, हमारा काम दुनिया के लोकतांत्रिक नेता होने की 250 साल पुरानी परंपरा की रक्षा करना है, न कि एक संघर्षरत देश से मुंह मोड़ना जो सही काम करने की कोशिश कर रहा है। वाल्ट्ज सीएनएन के स्टेट ऑफ द यूनियन में दिखाई दिए। जॉनसन, सैंडर्स और लैंकफोर्ड एनबीसी के मीट द प्रेस में थे, और गबार्ड ने फॉक्स न्यूज संडे पर बात की।

चार्ल्स के साथ बैठक में कनाडा को अमेरिका में मिलाने की ट्रंप की धमकी का मुद्दा उठाएंगे ट्रूडो

टोरंटो। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ब्रिटेन के महाराजा चार्ल्स तृतीय से सोमवार को मुलाकात के दौरान कनाडा को 51वां राज्य बनाने की अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की धमकियों पर चर्चा करेंगे। कनाडा को अमेरिका में मिलाने की ट्रंप की धमकियों पर चुप्पी साधने के कारण महाराजा की कनाडा में आलोचना हो रही है। ट्रूडो ने रविवार को लंदन में कहा कि वह चार्ल्स के साथ कनाडाई लोगों से जुड़े महत्वपूर्ण मामलों पर चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा, कनाडाई लोगों के लिए इस समय एक राष्ट्र के रूप में हमारी संप्रभुता और हमारी स्वतंत्रता के लिए खड़े होने से अधिक महत्वपूर्ण कुछ नहीं है। चार्ल्स कनाडा में राष्ट्र प्रमुख हैं। कनाडा पूर्व उपनिवेशों के ब्रिटिश राष्ट्रमंडल का सदस्य है। कनाडा में राजशाही विरोधी आंदोलन बहुत व्यापक नहीं है लेकिन ट्रंप की धमकियों पर महाराजा की चुप्पी ने हाल के दिनों में इस मामले पर चर्चा को बढ़ावा दिया है।

97वें अकादमी पुरस्कार समारोह

ऑस्कर 2025 : अनोरा को मिला सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार

» लॉस एंजिलिस, भाषा।

सीन बेकर के निर्देशन में बनी और एक यौन कर्मी के जीवन पर आधारित रोमांटिक कॉमेडी फिल्म अनोरा को रविवार को आयोजित 97वें अकादमी पुरस्कार समारोह में सर्वश्रेष्ठ फिल्म चुना गया। कान फिल्मोत्सव में भी पाल्म डी ओर पुरस्कार जीत चुकी अनोरा ऐसी यौन कर्मी की कहानी को बयान करती है जिसका विवाह एक रूसी कुलीन वर्ग के युवक के साथ होता है। इस फिल्म को मात्र 60 लाख अमेरिकी डॉलर की लागत से बनाया गया है। अनोरा ने विकेड , इयूनः पार्ट टू , द ब्रूटलिस्ट , ए कम्प्लीट अननोन , कॉन्क्लेव, एमिलिया पेरेज , आई एम स्टिल हियर , निकेल बॉयज़ और द सब्सटेंस को हराकर पुरस्कार जीता। रविवार को व्यक्तिगत रूप से चार ऑस्कर जीतकर बेकर ने वॉल्ट डिज्नी के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली, जिन्होंने 1954 में चार अलग-अलग फिल्मों के लिए ऑस्कर जीता था। बेकर ने डॉल्बी थिएटर के मंच से चिल्लाकर कहा, स्वतंत्र फिल्में अमर रहें।

द पियानिस्ट के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार जीतने के 22 साल बाद एड्रियन ब्रॉडी ने इस बार द ब्रूटलिस्ट में दमदार भूमिका निभाकर एक बार फिर यह पुरस्कार अपने नाम किया। मिकी मैडिसन ने अनोरा में अपने शानदार अभिनय के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार जीता। सीन बेकर ने सर्वश्रेष्ठ निर्देशक, सर्वश्रेष्ठ मूल पटकथा और सर्वश्रेष्ठ संपादन की श्रेणी में भी पुरस्कार जीते। बेकर ने कहा, हमें फिल्मों से प्यार कहां से हुआ? सिनेमाघर में...। फिल्म निर्माता, बड़े पर्दे के लिए फिल्में बनाते रहें। उन्होंने कहा, मैं यौन कर्मी समुदाय को धन्यवाद देना चाहता हूं। उन्होंने अपनी कहानियां साझा कीं।... अभिनेत्री जो सलदाना ने 97वें अकादमी पुरस्कार समारोह में एमिलिया पेरेज के लिए सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री और किरेन कल्किन ने द रियल पेन में दमदार भूमिका निभाकर सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का ऑस्कर जीता। सर्वश्रेष्ठ एनिमेशन श्रेणी में फ्लो ने पुरस्कार जीता। विकेड ने सर्वश्रेष्ठ कॉस्ट्यूम डिजाइन और सर्वश्रेष्ठ प्रोडक्शन डिजाइन के पुरस्कार अपने नाम किए। सर्वश्रेष्ठ मेकअप और हेयरस्टाइल का पुरस्कार द सब्सटेंस को मिला। इयूनः पार्ट टू को विजुअल इफेक्टर और साउंड दोनों के लिए पुरस्कार मिला। विस्टाविजन में फिल्माई गई द ब्रूटलिस्ट को उसकी सिनेमैटोग्राफी के लिए पुरस्कार मिला। दिल्ली में बनी लघु फिल्म अनुजा ऑस्कर 2025 में सर्वश्रेष्ठ लाइव एक्शन शॉर्ट फिल्म श्रेणी में पुरस्कार हासिल नहीं कर पाई। इस श्रेणी में डच भाषा की आई एम नॉट ए रोबोट को पुरस्कृत किया गया है। विक्टोरिया वार्मरडैम ने आई एम नॉट ए रोबोट की पटकथा लिखी है और इसका निर्देशन भी किया है।

पाकिस्तान की तरक्की के लिए इमरान खान को खुद में सुधार करना होग : शाहिद खाकान अब्बासी

» इस्लामाबाद, भाषा।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और आवाम पाकिस्तान पार्टी (एपीपी) के संयोजक शाहिद खाकान अब्बासी ने कहा कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान को खुद में सुधार लाना होगा, अन्यथा देश को तरक्की करने में संघर्ष करना पड़ेगा। मीडिया में आई एक खबर में सोमवार को यह जानकारी दी गई है। जियो न्यूज की खबर के मुताबिक, अब्बासी ने रविवार को इस बात पर जोर दिया कि अमेरिका जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री से संबंधित मामलों में दखल नहीं देगा।

घरेलू राजनीतिक माहौल पर टिप्पणी करते हुए अब्बासी ने पीटीआई के मजबूत जनसमर्थन को स्वीकार किया, लेकिन चेतावनी दी कि पार्टी ने सत्ता में रहने के दौरान जो नजरिया अपनाया था अगर उसी दृष्टिकोण को जारी रखती है, तो उसे कोई फायदा नहीं होगा। अब्बासी ने कहा कि पार्टी के 72 वर्षीय संस्थापक को अपनी गलतियों के बारे में सोचना चाहिए और उनकी पार्टी में सुधार की जरूरत है।उन्होंने कहा, हम विपक्ष के विचारों पर सहमति बनाने की कोशिश कर रहे हैं और हमने सम्मेलन में राजनीतिक कैदियों की रिहाई के बारे में बात की है, क्योंकि देश में मुद्दे संविधान और सिद्धांतों के माध्यम से हल होते हैं। अब्बासी ने कहा हमने एक रवैया बना लिया है कि कभी हम एक को (सत्ता में) लाते हैं और कभी दूसरे को। अगर देश में पाखंड खत्म हो जाए तो पीटीआई संस्थापक को भी राहत मिलेगी। देश में अतीत में हुई अहम घटनाओं के बारे में अब्बासी ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने परमाणु परीक्षण करने का साहस इसलिए किया क्योंकि भारत के कदम के बाद पाकिस्तान के पास कोई विकल्प नहीं था।

जापान परमाणु हथियारों पर प्रतिबंध लगाने वाली संधि पर संयुक्त राष्ट्र के सम्मेलन में हिस्सा नहीं लेगा

टोक्यो। जापान परमाणु हथियारों पर प्रतिबंध लगाने वाली संधि पर संयुक्त राष्ट्र के सम्मेलन में हिस्सा नहीं लेगा। देश के एक शीर्ष अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि अमेरिका का परमाणु क्षमता से लैस होना जापान की सुरक्षा के लिए अहम है और सम्मेलन में तोक्यो की भागीदारी से गलत संदेश जाएगा। मुख्य कैबिनेट सचिव योशिमासा हयाशी ने तोक्यो में संवाददाताओं से कहा कि जापान अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण न्यूयॉर्क में सोमवार से शुरू हो रहे इस सम्मेलन में पर्यवेक्षक के रूप में शामिल नहीं होगा। हयाशी ने कहा, गंभीर सुरक्षा माहौल में लोगों के जीवन और संपत्तियों के साथ-साथ जापान की शांति एवं संप्रभुता की रक्षा के लिए परमाणु क्षमता अपरिहार्य है। उन्होंने कहा कि सम्मेलन में पर्यवेक्षक के रूप में जापान की भागीदारी परमाणु क्षमता (के प्रति समर्थन) को लेकर जापान की नीति के बारे में गलत संदेश भेजेगी और शांति एवं सुरक्षा कायम रखने की तोक्यो की कोशिशों में बाधा पैदा करेगी। परमाणु हथियारों के अप्रसार पर संयुक्त राष्ट्र संधि को 2017 में मंजूरी दी गई थी। द्वितीय विश्व युद्ध के अंत में हिरोशिमा और नागासाकी पर अमेरिका के परमाणु हमले की पुनरावृत्ति को रोकने के मकसद से दशकों तक चलाए गए अभियान के बाद 2021 में इसे लागू कर दिया गया था। परमाणु हमलों का सामना करने वाला एकमात्र देश होने के बावजूद जापान ने संधि पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया है, क्योंकि उसका कहना है कि किसी भी परमाणु हथियार संपन्न राष्ट्र की भागीदारी के बिना इसका लक्ष्य प्राप्त करना संभव नहीं है। हयाशी ने कहा कि पर्यवेक्षक के रूप में हिस्सा लेने से अप्रसार संधि को मजबूत करने के लिए समर्थन हासिल करने के जापान के प्रयास में बाधा आएगी और परमाणु निरस्त्रीकरण की कोशिशें भी प्रभावित होंगी। उन्होंने जापान के भावी कदमों के बारे में और जानकारी नहीं दी।

परमाणु समझौते के सूत्रधार रहे ईरानी मंत्री ने कट्टरपंथियों के दबाव में इस्तीफा दिया

तेहरान। अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों के साथ 2015 में परमाणु समझौता कराने में अहम भूमिका निभाने वाले ईरान के पूर्व विदेश मंत्री मोहम्मद जवाद जरीफ ने कथित तौर पर कट्टरपंथियों के दबाव के आगे झुकते हुए सुधारवादी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन की सरकार से सोमवार को इस्तीफा दे दिया। जरीफ के इस्तीफे से यह संकेत मिलता है कि ईरान पश्चिम के साथ अपने संबंधों से तेजी से पीछे हट रहा है, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप देश पर लगाए गए प्रतिबंधों को और कड़ा कर रहे हैं। जरीफ, पेजेशकियन के कार्यकाल में उपराष्ट्रपति रह चुके हैं और लंबे समय से देश के कट्टरपंथियों के निशाने पर रहे हैं। उन्होंने इससे पहले भी एक बार इस्तीफा देने की कोशिश की थी और फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि इस बार पेजेशकियन ने उनका इस्तीफा स्वीकार किया है या नहीं। यह घटनाक्रम ईरान की संसद द्वारा रविवार को वित्त मंत्री अब्दोलनसेर हेममती पर महाभियोग चलाए जाने के बाद सामने आया है। हेममती ने एक बार राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ा था, जिससे यह संकेत मिला था कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति से सीधे बात करने के इच्छुक हैं।

न्यूज ब्रीफ

पोप के श्वसन संबंधी समस्या से उबरने के संकेत, रात में अच्छी नींद आई : वेटिकन

» रोम, भाषा।

पोप फ्रांसिस निमोनिया से उबर रहे हैं और रविवार-सोमवार की दरमियानी रात उन्होंने अच्छी नींद ली। वेटिकन ने यह जानकारी दी। वेटिकन के मुताबिक, कैथोलिक ईसाई धर्म के सर्वोच्च नेता पोप की हालत स्थिर है और उन्हें नॉन-इनवेसिव मैकेनिकल वेंटिलेशन से हटा लिया गया है। पिछले सप्ताहांत में श्वसन संबंधी समस्या के बाद उनमें किसी नए संक्रमण का कोई लक्षण नहीं दिखाई दे रहा है। वेटिकन ने गेमेली अस्पताल ने बताया, पोप ने पूरी रात अच्छी तरह से आराम किया। फ्रांसिस 14 फरवरी से इसी अस्पताल में भर्ती हैं। चिकित्सकों ने बताया कि 88 वर्षीय पोप ने रविवार को पूरा दिन बिना श्वसन मास्क के बिताया, जो उनके फेफड़ों में ऑक्सीजन पंप करता है। इस मास्क का इस्तेमाल शुक्रवार को उन्हें खांसी का दौरा पड़ने पर करना पड़ा था।

फ्रांसिस को नाक के रास्ते ऑक्सीजन दी जा रही है। धर्मगुरु (88) को शुक्रवार को काफी ज्यादा खांसी होने पर ऑक्सीजन देनी पड़ी थी, जिससे आशंका पैदा हुई थी कि उनके फेफड़ों में शायद कोई नया संक्रमण हुआ है। चिकित्सकों ने बताया कि संक्रमण का पता लगाने में 24 से 48 घंटे लगेंगे। चिकित्सकों ने रविवार शाम को बताया कि फ्रांसिस की हालत स्थिर बनी हुई है, उन्हें बुखार या संक्रमण के कोई लक्षण नहीं हैं, जिससे पता चलता है कि उन्होंने संकट पर काबू पा लिया है। हालांकि, चिकित्सकों ने कहा कि अभी वह खतरे से बाहर नहीं हैं। फ्रांसिस से रविवार को वेटिकन के राज्य सचिव कार्डिनल पिएत्रो पारोलिन और उनके चीफ ऑफ स्टाफ आर्कबिशप एडगर पेना पारा भी मिले। उनके बीच हुई बातचीत की जानकारी नहीं मिल पाई है, लेकिन वेटिकन में रहते हुए फ्रांसिस कम से कम सप्ताह में उनसे एक बार जरूर मिलते हैं।

गाजा में राहत सामग्री रोकने पर इजराइल की आलोचना

» तेल अवीव, भाषा।

गाजा में सभी खाद्य वस्तुओं और रसद का प्रवेश रोके जाने के कारण इजराइल को तीखी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। इजराइल ने रविवार को गाजा पट्टी में सभी वस्तुओं और रसद का प्रवेश रोकते हुए चेतावनी दी थी कि यदि हमास संघर्षविराम की अवधि को बढ़ाने संबंधी नए प्रस्ताव को स्वीकार नहीं करता है तो उसे अतिरिक्त परिणाम भुगतने होंगे। मध्यस्थों मिस्र और कतर ने इजराइल पर भुखमरी को हथियार के रूप में इस्तेमाल करके मानवीय कानून का उल्लंघन करने का रविवार को आरोप लगाया। हमास ने इजराइल पर संघर्षविराम समझौते को पटरी से उतारने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए कहा कि सहायता पर रोक संबंधी उसका फैसला युद्ध अपराध है और समझौते (संघर्षविराम) पर हमला है। यह समझौता जनवरी में हुआ था। इजराइल-हमास के बीच संघर्षविराम का पहला चरण शनिवार को समाप्त हो गया। इसमें मानवीय सहायता में वृद्धि देखी गई।

दोनों पक्षों के बीच अभी दूसरे चरण पर बातचीत होनी बाकी है, जिसमें इजराइल अपनी सेना वापस बुलाएगा और स्थाई संघर्षविराम करेगा। इसके बदले में हमास शेष बंधकों को रिहा करेगा। इजराइल ने रविवार को कहा कि अमेरिका के नए प्रस्ताव में संघर्ष विराम को रमजान और यहूदी पासओवर अवकाश (जो 20 अप्रैल को समाप्त होगा) तक बढ़ाने का आह्वान किया गया है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि इस प्रस्ताव के तहत हमास पहले दिन आधे बंधकों को रिहा कर देगा और बाकी को तब रिहा करेगा जब स्थाई युद्ध विराम पर समझौता हो जाएगा। हमास ने वर्तमान में 59 लोगों को बंधक बना रखा है, जिनमें से 35 के मारे जाने की आशंका है। अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता ब्रायन ह्यूग्स ने नए प्रस्ताव पर कोई टिप्पणी किए बिना कहा कि इजराइल जो भी निर्णय लेगा, अमेरिका उसका समर्थन करेगा। इजराइली प्रधानमंत्री ने कहा कि इजराइल अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के साथ पूर्ण समन्वय बिठाकर काम कर रहा है। गाजा पट्टी की पूर्ण घेराबंदी करने के इजराइल के फैसले की मिस्र ने निंदा की है और उस पर भुखमरी को हथियार के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। मिस्र के विदेश मंत्री बद्र अब्देलती ने इजराइल-हमास युद्धविराम के अगले चरण के तत्काल कार्यान्वयन का आह्वान किया। अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस समिति ने कहा कि युद्ध विराम ने अनगिनत लोगों की जान बचाई है, गत छह सप्ताहों में हुई प्रगति की गति में कोई भी कमी लोगों को फिर से निराशा में धकेल सकती है। संयुक्त राष्ट्र के मानवीय सहायता प्रमुख टॉम फ्लेचर ने इजराइल के निर्णय को चिंताजनक बताते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून में स्पष्ट किया गया है कि सहायता तक पहुंच की अनुमति दी जानी चाहिए।संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने बताया कि महासचिव ने सभी पक्षों से गाजा में हिंसा की वापसी रोकने के लिए हरसंभव प्रयास करने का आग्रह किया तथा गाजा में तत्काल मानवीय सहायता पहुंचाए जाने तथा सभी बंधकों को रिहा किए जाने का आह्वान किया। पांच गैर-सरकारी समूहों ने इजराइल के उच्चतम न्यायालय से एक अंतरिम आदेश जारी कर सरकार को गाजा में सहायता बाधित करने से रोकने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि सरकार का सहायता बाधित करने का कदम अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत इजराइल के दायित्वों का उल्लंघन करता है। हमास ने कहा कि इजराइल द्वारा सहायता पर रोक लगाना समझौते का एक और उल्लंघन है, क्योंकि दोनों पक्षों के बीच समझौते के दूसरे चरण पर बातचीत जारी है तथा राहत सामग्री की आपूर्ति और सहायता जारी रहनी चाहिए। इस बीच, इजराइल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने कहा कि इजराइल संघर्षविराम के अगले चरण पर बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन वह वार्ता के दौरान अधिक बंधकों को रिहा करने पर जोर दे रहा है। उन्होंने एक प्रेस वार्ता में कहा, हमने (चरण एक के तहत) अपनी सभी प्रतिबद्धताओं को अंतिम दिन तक पूरा किया, जो कल तक थी। हमारा रुख यह है कि बातचीत के दौरान बंधकों को रिहा किया जाना चाहिए। हमास ने चेतावनी दी कि संघर्षविराम समझौते में देरी या उसे रद्द करने के किसी भी प्रयास से बंधकों को दिक्कत होगी। उसने दोहराया कि उन्हें रिहा कराने का एकमात्र तरीका मौजूदा समझौते को लागू करना है, जिसमें शेष बंधकों को मुक्त करने के लिए समयसीमा निर्दिष्ट नहीं की गई है। हमास ने कहा है कि वह दूसरे चरण में शेष सभी बंधकों को एक साथ रिहा करने को तैयार है, लेकिन इसके बदले में वह अधिक फलस्तीनी कैदियों की रिहाई, स्थाई संघर्षविराम तथा इजराइली सेना की वापसी चाहता है। युद्ध के कारण गाजा की अधिकतर आबादी अंतरराष्ट्रीय सहायता पर निर्भर हो गई है। इजराइल और हमास के बीच 19 जनवरी को युद्ध विराम शुरू होने के बाद से लगभग 600 सहायता ट्रक प्रतिदिन आ रहे थे, जिससे अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा जताई गई अकाल की आशंका कम हो गई थी।

नेपाल जाने वाले भारतीय पर्यटकों की संख्या घटी

» काठमांडू, भाषा।

फरवरी 2025 में 96,000 से अधिक पर्यटक नेपाल पहुंचे, लेकिन पिछले साल की तुलना में इस वर्ष हिमालई देश की यात्रा करने वाले भारतीयों की संख्या में कमी देखी गई। नेपाल पर्यटन बोर्ड के अनुसार, फरवरी महीने में 96,880 पर्यटक हवाई मार्ग से नेपाल पहुंचे। आंकड़ों के अनुसार, इस साल फरवरी में पर्यटकों की संख्या पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में थोड़ी कम रही। फरवरी 2024 में नेपाल आने वाले पर्यटकों की संख्या 97,426 थी। अन्य देशों के पर्यटकों की तुलना में नेपाल पहुंचने वाले भारतीय पर्यटकों की संख्या सबसे अधिक रही।

इस साल फरवरी में 19,187 भारतीय हवाई मार्ग से नेपाल पहुंचे। इस अवधि में अमेरिका से 10,348, चीन से 8,232, ब्रिटेन से 5,057 और बांग्लादेश से 4,874 पर्यटक नेपाल आए। श्रीलंका से 4,370 और ऑस्ट्रेलिया से 3,737 पर्यटक नेपाल पहुंचे। फरवरी 2024 में 25,578 भारतीय पर्यटकों ने नेपाल की यात्रा की थी जबकि इस साल फरवरी में यह संख्या 25 प्रतिशत कम रही। नेपाल पर्यटन बोर्ड के निदेशक मणि लामिछाने ने कहा कि प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ ने लाखों भारतीय तीर्थयात्रियों को आकर्षित किया

बांग्लादेश का मामला

अवामी लीग के 15 साल के शासन का खत्मा हो गया

हसीना शासन के अत्याचारों के रिकॉर्ड को संरक्षित करना महत्वपूर्ण : यूनुस

» ढाका, भाषा।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रशासन के दौरान किए गए कथित अत्याचारों के दस्तावेजों को सावधानीपूर्वक संरक्षित करने का आह्वान किया है। ढाका ट्रिब्यून अखबार की खबर के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों के साथ रविवार को हुई बैठक के दौरान यूनुस ने इस बात पर जोर दिया कि उचित अभिलेखीय प्रणाली के बिना सच्चाई जानना और न्याय सुनिश्चित करना मुश्किल है। मुख्य सलाहकार की प्रेस शाखा द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि संयुक्त राष्ट्र की रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर ग्वेन लुईस और संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार विशेषज्ञ हुमा खान के साथ बातचीत के दौरान मुख्य सलाहकार ने शापला चत्तर में प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई की गई।

डेलवर हुसैन सईदी के फैसले के बाद प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की बर्बरता और वर्षों की कथित न्यायेतर हत्याओं का हवाला दिया। इसके जवाब में संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों ने मानवाधिकारों के हनन के दस्तावेजीकरण में बांग्लादेश की सहायता करने की अपनी इच्छा की पुष्टि की। तकनीकी सहायता और क्षमता निर्माण में संयुक्त राष्ट्र की विशेषज्ञता की पेशकश करते हुए लुईस ने कहा, यह (अत्याचारों के शिकार लोगों को) मरहम लगाने और सत्य-निर्माण की एक प्रक्रिया है। यूनुस ने जुलाई-अगस्त 2024 के विद्रोह के बाद मानवाधिकार उल्लंघन पर संगठन की हालिया तथ्यान्वेषी रिपोर्ट की भी सराहना की, जिसके कारण अवामी लीग के 15 साल के शासन का खत्मा हो गया और हसीना पलायन कर भारत चली गईं। लुईस के अनुसार, मानवाधिकारों के लिए संयुक्त राष्ट्र के उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क पांच मार्च को जिनेवा में मानवाधिकार परिषद के सत्र में दस्तावेज पेश करेंगे। यूनुस ने कहा, हमें बहुत खुशी है कि संयुक्त राष्ट्र ने यह रिपोर्ट प्रकाशित की है, यह समय पर हुआ। चर्चा में रोहिंग्या शरणार्थियों की दुर्दशा पर भी चर्चा हुई, जिसमें लुईस ने घटती अंतरराष्ट्रीय सहायता पर चिंता व्यक्त की। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस 13 से 16 मार्च तक बांग्लादेश का दौरा करेंगे। लुईस ने उम्मीद जताई कि गुतारेस की यह यात्रा शरणार्थी संकट पर विश्व का ध्यान आकर्षित करेगी। लुईस ने कहा, हम धन की स्थिति को लेकर बहुत चिंतित हैं। उन्होंने कहा कि रोहिंग्या शरणार्थियों को खाद्य आपूर्ति और अन्य बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रति माह 150 लाख अमरीकी डॉलर की आवश्यकता है।

शीर्ष अदालत ने खालिदा जिया को बरी करने के फैसले को बरकरार रखा

ढाका। बांग्लादेश के उच्चतम न्यायालय ने पूर्व प्रधानमंत्री एवं बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) अध्यक्ष खालिदा जिया को भ्रष्टाचार के एक मामले में बरी करने के उच्च न्यायालय के फैसले को सोमवार को बरकरार रखा। इस मामले में एक निचली अदालत ने उन्हें सात साल जेल की सजा सुनाई थी। सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस की खबर के अनुसार, न्यायमूर्ति मोहम्मद अशफाकुल इस्लाम के नेतृत्व वाली तीन सदस्यीय अपीलीय खंडपीठ ने यह आदेश पारित करते हुए सरकार और भ्रष्टाचार निरोधक आयोग (एसीसी) द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें जिया और अन्य को बरी करने वाले उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती दी गई थी। जिया (79) को 2018 में जिया चैरिटेबल ट्रस्ट भ्रष्टाचार मामले में ढाका की एक अदालत ने दोषी करार दिया था। अदालत ने उन्हें सात साल की कैद की सजा सुनाई थी और उन पर 10 लाख टका (बांग्लादेशी मुद्रा) जुर्माना भी लगाया था। पिछले वर्ष 27 नवंबर को उच्च न्यायालय ने जिया और दो अन्य दोषियों जियाउल इस्लाम और मोनिरुल इस्लाम खान द्वारा दायर दो अलग-अलग अपीलों को स्वीकार कर लिया था, जिनमें जिया चैरिटेबल ट्रस्ट भ्रष्टाचार मामले में निचली अदालत की सजा और दोषसिद्धि को चुनौती दी गई थी और उन्हें आरोपों से बरी कर दिया था। सरकार और एसीसी ने उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देते हुए याचिका दायर की। समाचार एजेंसी के अनुसार यह मामला सुनवाई के लिए अपीलीय प्रभाग की नियमित पीठ के पास आया और उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को अपना आदेश पारित कर दिया।

पश्चिमी जर्मनी में कार ने भीड़ को रौंदा : एक की मौत, कई अन्य घायल

» मैनहेम (जर्मनी), भाषा।

पश्चिमी जर्मनी में सोमवार को एक कार चालक ने अपने वाहन से भीड़ को रौंद दिया जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई अन्य घायल हुए हैं। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि संदिग्ध को हिरासत में ले लिया गया है। जर्मनी की मैनहेम शहर की पुलिस ने लोगों से शहर के मुख्य इलाके से दूर रहने और अपने घरों के अंदर रहने को कहा है। तत्काल विस्तृत जानकारी नहीं मिल सकी है। पुलिस ने यह खुलासा नहीं किया कि शहर के मुख्य हिस्से में बड़ी संख्या में पुलिस बल की उपस्थिति क्यों है, लेकिन एक प्रवक्ता ने बताया कि इस घटना को जीवन के लिए खतरा पैदा करने वाली स्थिति के रूप में दर्ज किया गया है।

फ्रैंकफर्ट से करीब 85 किलोमीटर दक्षिण में स्थित मैनहेम की आबादी करीब 3.26 लाख है। पुलिस प्रवक्ता स्टीफन विल्हेम ने एन-टीवी टेलीविजन को बताया कि मैनहेम शहर के परेडप्लाट्ज इलाके में स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 12:15 बजे एक घटना हुई जिसके कारण बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। उन्होंने कहा कि वे विस्तृत जानकारी नहीं दे सकते। परेडप्लाट्ज शहर के बीचोबीच स्थित एक मुख्य चौराहा है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,